नवसर्जन संस्कृति

PRGI No. UPHIN/25/A1698

नवसर्जन संस्कृति

PUBLISHED HIINDI DAILY FROM LUCKNOW

वर्ष : 02
अंक : 037
दि. 06.06.2026,
शनिवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा

'हम योजना को आगे बढ़ाते तो कोई टोटी चोरी कर ले जा रहा...' बोल कर हंस पड़े सीएम योगी

(जीएनएस)।

लखनऊ में विश्व पर्यावरण दिवस पर आयोजित 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हर घर नल योजना का जिक्र करते हुए कहा कि कोई टोटी चोरी कर ले जा रहा है. इतना कहते ही सीएम योगी खुद भी अपनी हंसी नहीं रोक पाए और वहां मौजूद लोग भी हंस पड़े. मुख्यमंत्री ने पर्यावरण संरक्षण, वृक्षारोपण और जनभागीदारी पर भी जोर दिया. सीएम योगी आदित्यनाथ ने विश्व पर्यावरण दिवस के मौके पर राजधानी लखनऊ में आयोजित 'एक पेड़ मां के नाम' वृक्षारोपण महाभियान-2026 के कार्यक्रम में हर घर नल योजना के दौरान एक ऐसी बात कह दी कि हर कोई हंस पड़ा. मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार जब योजनाओं को आगे बढ़ाती है तो कई तरह की चुनौतियां भी सामने आती हैं. उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा, हमने हर घर नल योजना को आगे बढ़ाया तो पता लगा कि कोई टोटी चोरी कर ले जा रहा है. कोई अन्य प्रकार से नुकसान कर रहा है, खुला है तो खुला है. इतना कहते ही मुख्यमंत्री खुद भी मुस्कुरा पड़े और कार्यक्रम में मौजूद लोग भी अपनी हंसी नहीं रोक पाए.

'एक पेड़ मां के नाम' अभियान से जुड़ने की अपील

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेशवासियों से पर्यावरण संरक्षण के लिए आगे आने की अपील की. उन्होंने कहा कि हर व्यक्ति को अपनी माँ के प्रति सम्मान और कर्तव्य की भावना के साथ कम से कम एक पौधा अवश्य लगाना चाहिए. मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार आगामी वन महोत्सव के दौरान बड़े स्तर पर वृक्षारोपण अभियान चलाने जा रही है. ऐसे में प्रत्येक नागरिक को 'एक पेड़ माँ के नाम' लगाकर इस महाअभियान का हिस्सा बनना चाहिए. उन्होंने कहा कि केवल पौधा लगाना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि उसकी देखभाल और संरक्षण भी उतना ही महत्वपूर्ण है. जब लोग अपने लगाए हुए पौधों को परिवार के सदस्य की तरह संभालेंगे, तभी पर्यावरण संरक्षण का लक्ष्य हासिल किया जा सकेगा.

पर्यावरण बचेगा तो प्रकृति बचेगी

अपने संबोधन में मुख्यमंत्री ने पर्यावरण संरक्षण को आने वाली पीढ़ियों के भविष्य से जोड़ा. उन्होंने कहा कि पर्यावरण और धरती माता को सुरक्षित रखने का सबसे प्रभावी तरीका यही है कि प्रत्येक व्यक्ति अपने स्तर पर प्रकृति को नुकसान पहुंचाने वाले कार्यों से दूरी बनाए और संरक्षण के प्रयासों में सक्रिय भागीदारी करे. मुख्यमंत्री ने कहा, हमें यह बात हमेशा ध्यान में रखनी होगी कि पर्यावरण बचेगा तो प्रकृति बचेगी, प्रकृति बचेगी तो जीव सृष्टि भी सुरक्षित रहेगी. उन्होंने कहा कि बढ़ता प्रदूषण, घटते वन क्षेत्र और बदलता पर्यावरणीय संतुलन पूरी दुनिया के सामने बड़ी चुनौती बनकर उभरा है. ऐसे में जनभागीदारी के बिना इस समस्या का समाधान संभव नहीं है.

सरकारी आवास पर लगाया आम का पौधा

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने सरकारी आवास पर आम की 'अरुणिका' प्रजाति का पौधा भी लगाया. इस दौरान उन्होंने प्रदेशवासियों को संदेश दिया कि पौधारोपण को केवल एक कार्यक्रम न मानें, बल्कि इसे जीवन का हिस्सा बनाएं. मुख्यमंत्री ने कहा कि वृक्ष केवल पर्यावरण की रक्षा नहीं करते, बल्कि जल संरक्षण, जैव विविधता और स्वच्छ वायु के लिए भी अत्यंत आवश्यक हैं. आने वाले वर्षों में जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों से निपटने के लिए वृक्षारोपण सबसे प्रभावी उपायों में से एक साबित होगा.

मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में प्रदेश सरकार द्वारा चलाए गए वृक्षारोपण अभियानों का भी उल्लेख किया. उन्होंने कहा कि पिछले नौ वर्षों के दौरान वन महोत्सव और अन्य अभियानों के माध्यम से उत्तर प्रदेश में 242 करोड़ से अधिक पौधे लगाए जा चुके हैं. उन्होंने इसे केवल सरकारी कार्यक्रम नहीं, बल्कि जनभागीदारी का अभियान बताया. मुख्यमंत्री के अनुसार, लाखों लोगों ने इसमें भागीदारी निभाकर पर्यावरण संरक्षण की दिशा में महत्वपूर्ण योगदान दिया है. मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रेरणा से प्रदेश सरकार ने पिछले नौ वर्षों में पर्यावरण संरक्षण और प्रकृति के प्रति अपने दायित्वों को निभाने के लिए कई महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं.

केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान के तहत लगाया पलाश का पौधा

केंद्रीय संचार एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर देशभर में चल रहे 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान के तहत अपने आधिकारिक आवास पर पलाश का पौधा रोपित कर अभियान में सहभागिता की।

केंद्रीय मंत्री सिंधिया ने कहा कि पौधारोपण धरती माता की रक्षा का सबसे प्रभावी और सरल उपाय है। पर्यावरण संरक्षण केवल सरकारों का दायित्व नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक की साझा जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि आज लगाया गया एक पौधा आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य की नींव बनता है।

'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान को मिल रहा व्यापक जनसमर्थन

सिंधिया ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आ'ान पर प्रारंभ हुआ 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान देशभर में जनभागीदारी का सशक्त उदाहरण बनकर उभरा है। यह अभियान केवल पौधारोपण तक सीमित नहीं है, बल्कि प्रकृति, मातृत्व और पर्यावरण के प्रति हमारी संवेदनशीलता का भी प्रतीक है।

सीएम योगी ने एक पेड़ मां के नाम अभियान का किया शुभारंभ, बोले- पर्यावरण संकट मानव निर्मित आपदा

(जीएनएस)।

लखनऊ, सीएम योगी ने कहा कि पर्यावरण संकट एक मानव निर्मित आपदा है। इसका समाधान हमें ही निकालना है। इस अवसर पर उन्होंने वृक्षारोपण कर पर्यावरण बचाने का संदेश दिया साथ ही एक पेड़ मां के नाम अभियान का भी शुभारंभ किया।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विश्व पर्यावरण दिवस के मौके पर लखनऊ के कुकरेल वनक्षेत्र में वृक्षारोपण कर "एक पेड़ मां के नाम" अभियान का शुभारंभ किया। आज प्रदेश भर में पांच करोड़ पौधे लगाकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया जाएगा।

इस मौके पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आज पूरा विश्व पर्यावरण के गंभीर संकट से ग्रसित है क्योंकि हर कोई जानता है कि यह एक मानव निर्मित संकट है और इसका समाधान हमें ही करना है। पर्यावरण संकट के कारण हम लोग हर वर्ष मौसम चक्र में बदलाव सहित अतिवृष्टि और अनावृष्टि जैसी स्थितियों को देखते हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे में जरूरी है कि हर व्यक्ति पर्यावरण को क्षति पहुंचाने वाले कार्य से खुद को दूर करे और पर्यावरण संरक्षण करने वाले कार्यों से जुड़े। इस संकट का समाधान हम सबको मिलकर ही निकालना है।

गिलगित-बाल्टिस्तान चुनाव पर भारत की सख्त आपत्ति, दी ऐसी धमकी टेंशन में पाकिस्तान

पाकिस्तान के कब्जे वाले गिलगित-बाल्टिस्तान में 7 जून को होने वाले विधानसभा चुनावों पर भारत ने कड़ी आपत्ति जताई है। विदेश मंत्रालय ने साफ कहा है कि जम्मू-कश्मीर और लद्दाख का पूरा क्षेत्र, जिसमें गिलगित-बाल्टिस्तान भी शामिल है, भारत का अभिन्न हिस्सा है। ऐसे में पाकिस्तान को वहां चुनाव कराने या किसी भी तरह की राजनीतिक प्रक्रिया चलाने का अधिकार नहीं है। भारत का कहना है कि चुनाव कराने से जमीन पर मौजूद वास्तविक स्थिति नहीं बदलेगी।

'ये हार की हताशा बोल रही...', सीएम योगी के टोंटी वाले बयान के बीच बोले सपा चीफ अखिलेश यादव

(जीएनएस)।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लखनऊ में विश्व पर्यावरण दिवस पर आयोजित 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के दौरान टोटी का जिक्र कर ऐसा बयान दिया, जिससे यूपी की राजनीतिक हलचल तेज हो गई है. अब सीएम योगी के इस बयान के बाद समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव की प्रतिक्रिया सामने आई हैं. हालांकि सपा चीफ ने किसी का नाम नहीं लिया है लेकिन उनका यह बयान सीएम योगी के बयान से जोड़कर ही देखा जा रहा है.

सपा चीफ अखिलेश यादव ने एक्स पर पोस्ट कर लिखा-"लत से गलत की ओरङ्घवनस्पति विवेक छीन लेती है और निर्दोष लोगों की हत्याओं का खौफ रातों की नींद. नहीं तो पूरे होश में इतने ऊँचे पद पर बैठकर इतना निकृष्ट बयान कोई नहीं देता है. कुछ लोग अपनी असफलता के लिए दूसरों को दोषी ठहराते हैं, ये हार की हताशा बोल रही है क्योंकि कुदरत का बुलडोजर अब घूम गया है."

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लखनऊ में आयोजित कार्यक्रम में कहा था कि हम देखते हैं कि, हमने हर घर नल योजना को आगे बढ़ाया,पता लगा कोई टोंटी चोरी कर रहा है. कोई अन्य प्रकार से उसे नुकसान पहुंचा रहा है. हमारा दायित्व है कि कोई हम अगर कोई व्यक्ति चोरी कर रहा है, टोंटी खोलकर जा रहा है, उसे टोकें.

इसी दौरान सीएम योगी ने कहा कि जिस माँ ने जन्म दिया है और जहां हमने जन्म लिया है, उसके प्रति अपने कर्तव्यों का निर्वहन करना और कृतज्ञता ज्ञापित करना, ये हम सबका दायित्व होना चाहिए. सीएम योगी ने कहा कि अगर मौसम चक्र में अंतर आएगा तो सबसे अधिक प्रभावित किसान होगा और उसकी आमदनी पर असर पड़ेगा. हमें अतिवृष्टि, अनावृष्टि का सामना करना पड़ेगा।

पीएम मोदी से अमित शाह तक, सोशल मीडिया के जरिये सीएम योगी को यूं मिलीं बधाइयां, ये जन्मदिन इसलिए भी है बेहद खास!

(जीएनएस)।

लखनऊ : उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के जन्मदिन पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी , केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह समेत अन्य नेताओं ने शुभकामनाएं दी हैं। सोशल मीडिया के जरिए पीएम, गृह मंत्री समेत अन्य नेताओं ने योगी के 54 वें जन्मदिन पर उनके लंबे और स्वस्थ जीवन की कामना की।

पीएम मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा कि उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को उनके जन्मदिन पर बहुत-बहुत शुभकामनाएं। राज्य की प्रगति के लिए उनके काम उल्लेखनीय हैं। उन्होंने हमेशा लोगों के जीवन की गुणवत्ता सुधारने और सर्वांगीण विकास सुनिश्चित करने पर ध्यान दिया है। उनके लंबे और स्वस्थ जीवन की कामना करता हूं।

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने शुभकामनाएं देते हुए लिखा कि सीएम योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश की डबल इंजन सरकार सुशासन और जनकल्याण के नए मापदंड स्थापित कर रही है। ईश्वर से आपके उत्तम स्वास्थ्य एवं दीर्घायु की कामना करता हूं। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने शुभकामनाएं देते हुए सीएम योगी के उत्तम स्वास्थ्य, दीर्घायु और मंगलमय जीवन की प्रार्थना की।

राजनाथ ने भी दी बधाई

रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने लिखा कि उत्तर प्रदेश के लोकप्रिय एवं कर्मठ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को जन्मदिन की शुभकामनाएं। उनके नेतृत्व में उत्तर प्रदेश ने सुशासन, सुरक्षा, विकास एवं जनकल्याण के क्षेत्रों में उल्लेखनीय उपलब्धियां अर्जित की हैं। उनके दृढ़ संकल्प और अथक परिश्रम के परिणामस्वरूप आज उत्तर प्रदेश प्रगति और समृद्धि के पथ पर तेज गति से अग्रसर है। ईश्वर से प्रार्थना है कि उन्हें उत्तम स्वास्थ्य, दीर्घायु तथा जनसेवा के लिए निरंतर ऊर्जा और शक्ति प्रदान करें।

जन्म दिन क्यों है खास

हाल ही में बीजेपी ने बंगाल में शानदार प्रदर्शन करते हुए सत्ता हासिल की है। जिन जगहों पर योगी ने रैलियां की वहां बीजेपी का प्रदर्शन सबसे अच्छा रहा है। इससे पहले बिहार में भी बीजेपी की जीत के पीछे योगी का फेक्टर भी अहम माना जा रहा है। ऐसे में सीएम योगी की देश भर में छवि चुनावों के बाद से और बेहतर हुई है।

अन्य नेताओं ने भी किए पोस्ट

भाजपा सांसद एवं दिग्गज अभिनेत्री हेमा मालिनी ने सीएम योगी को शुभकामनाएं दीं। भाजपा सांसद हेमा मालिनी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा कि यूपी के मुख्यमंत्री योगी के जन्मदिन पर उनके लिए ढेर सारी शुभकामनाएं।

लैटिन अमेरिका में अचानक भड़की भीषण हिंसा, भारतीयों को लेकर भारत सरकार की सख्त नजर

(जीएनएस)।

लैटिन अमेरिका के कई देश इस समय राजनीतिक और सामाजिक अस्थिरता का सामना कर रहे हैं। कहीं सरकार विरोधी प्रदर्शन हो रहे हैं तो कहीं अपराध और आर्थिक संकट ने हालात मुश्किल बना दिए हैं। ऐसे माहौल में भारत सरकार वहां रहने वाले भारतीयों की सुरक्षा पर खास ध्यान दे रही है।

विदेश मंत्रालय ने कहा है कि वह लगातार अपने दूतावासों और स्थानीय भारतीय समुदाय के संपर्क में है। चिली, इक्वाडोर, बोलिविया और अन्य देशों में स्थिति पर करीबी नजर रखी जा रही है ताकि जरूरत पड़ने पर तुरंत सहायता दी जा सके।

चिली में राष्ट्रपति Jose Antonio Kast की सरकार को बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शनों का सामना करना पड़ रहा है। राजधानी सैंटियागो में हजारों लोग सड़कों पर उतर आए हैं। प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि सरकार स्वास्थ्य, शिक्षा और

सामाजिक कल्याण योजनाओं में कटौती कर रही है। कई जगह पुलिस को प्रदर्शनकारियों को हटाने के लिए वाटर कैनन का इस्तेमाल करना पड़ा। सरकार की सख्त सुरक्षा और इमिग्रेशन नीति भी विवाद का विषय बनी हुई है।

बोलिविया में राष्ट्रपति Rodrigo Paz के सामने गंभीर चुनौती खड़ी हो गई है। देश में बड़े पैमाने पर प्रदर्शन, सड़क जाम और सरकार विरोधी आंदोलन जारी हैं। ईंधन की कमी और कमजोर होती अर्थव्यवस्था ने लोगों की नाराजगी बढ़ा दी है। सरकार ने जरूरत पड़ने पर आपातकाल लगाने और सेना की मदद लेने से भी इनकार नहीं किया है। इससे देश में राजनीतिक तनाव और बढ़ने की आशंका जताई जा रही है।

इक्वाडोर में सुरक्षा संकट की सबसे बड़ी वजह संगठित अपराध और ड्रग कार्टेल हैं। राष्ट्रपति Daniel Noboa लगातार आपातकाल और सैन्य कार्रवाई का सहारा ले रहे हैं। खासकर तटीय क्षेत्र गुआयास में हिंसा और अपराध के मामले तेजी से बढ़े हैं। हालांकि कुछ पहाड़ी शहर अपेक्षाकृत शांत हैं।

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने शकूरबस्ती डिपो का किया निरीक्षण, कर्मचारियों से सीधा संवाद कर जानी समस्याएं

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने शकूर बस्ती अनुभाग और डिपो का दौरा किया, उत्तर रेलवे के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ चर्चा की और

चल रही विकास परियोजनाओं की समीक्षा की। उन्होंने कर्मचारियों की चिंताओं को मौके पर ही संबोधित किया, शीघ्र समाधान और बेहतर यात्री सेवाओं, सुरक्षा और रेल बुनियादी ढांचे के आधुनिकीकरण पर जोर दिया।

अब शुभेंदु अधिकारी अपनाएंगे योगी मॉडल! प. बंगाल में यूपी 112 सिस्टम होगा लागू

लखनऊ पहुंचे पुलिस अफसर

(जीएनएस)।

यूपी पुलिस और 112 जैसी इमरजेंसी सेवा अब पश्चिम बंगाल में भी लागू होगी. इसी कड़ी में पश्चिम बंगाल पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों का एक दल उत्तर प्रदेश पुलिस की इमरजेंसी रिस्पांस सर्विस यूपी 112 का अध्ययन करने के लिए लखनऊ पहुंचा. उत्तर प्रदेश की पुलिसिंग व्यवस्था की तारीफ

कड़ी में पश्चिम बंगाल पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों का एक दल उत्तर प्रदेश पुलिस की इमरजेंसी रिस्पांस सर्विस यूपी 112 का अध्ययन करने के लिए लखनऊ पहुंचा. अधिकारियों ने यूपी 112 मुख्यालय में पहुंचकर इसके केंद्रीकृत सिस्टम को बारीकी से समझा और इसकी कार्यप्रणाली का अध्ययन हर राज्य में होती है. इसी को देखते हुए क्राइम कंट्रोल और कानून व्यवस्था को और मजबूत बनाने की दिशा में पश्चिम बंगाल पुलिस अब उत्तर प्रदेश सरकार के मॉडल का अध्ययन कर रही है. इसी

किया.

जानकारी के मुताबिक, पश्चिम बंगाल पुलिस में आईजी रैंक के अधिकारी सुकेश जैन की अगुवाई में चार सदस्यीय टीम यूपी 112 मुख्यालय पहुंची. यहां अधिकारियों ने यह समझने की कोशिश की कि किस प्रकार यूपी 112 का इमरजेंसी रिस्पांस सिस्टम तेजी और प्रभावी तरीके से काम करता है. अधिकारियों को पूरे कंट्रोल रूम के संचालन, तकनीकी सिस्टम और रिस्पांस मैकेनिज्म की जानकारी दी गई.

शिकायत से लेकर समाधान तक जानकारी दर्ज

अधिकारियों ने विशेष रूप से यह जाना कि इमरजेंसी कॉल आने पर किस तरह सेंट्रलाइज्ड सिस्टम के माध्यम से तत्काल कार्रवाई की जाती है. यदि किसी लाइन पर व्यस्तता होती है तो कॉल खुद दूसरी लाइन पर ट्रांसफर हो जाती है. साथ ही कॉलर की लोकेशन और मोबाइल नंबर के आधार पर सबसे नजदीकी यूपी 112 के दोपहिया या चारपहिया वाहन तक सूचना पहुंचाई जाती है. इसके बाद संबंधित घटना का इवेंट तैयार किया जाता है, जिसमें शिकायत से लेकर समाधान तक की पूरी जानकारी दर्ज होती है.

यूपी 112 के अधिकारियों ने पश्चिम बंगाल पुलिस के प्रतिनिधिमंडल को रिस्पांस टाइम की कार्यप्रणाली भी समझाई. वर्तमान समय में उत्तर प्रदेश में यूपी 112 का औसत रिस्पांस टाइम करीब 6 मिनट 30 सेकंड बताया जा रहा है, जिसे देश में सबसे बेहतर माना जाता है. यही वजह है कि दूसरे राज्यों की पुलिस भी इस मॉडल में दिलचस्पी दिखा रही है.

नवसर्जन संस्कृति
हिन्दी

JioTV
CHENNAL NO.
2063

Jio Air Fiber
Jio Tv +
Jio Fiber
Daily Hunt
ebaba Tv
Dish Plus
DTH live OTT
Rock TV
Airtel
Amezone Fire
Rocu Tv-US.UK

देश-दुनिया के नवीनतम समाचार
प्राप्त करने के लिए आज ही
नवसर्जन संस्कृति हिंदी चेनल देखिये

'जनता कांग्रेस से नाराज, इसलिए कर्नाटक में सीएम बदला', पीएम मोदी का विपक्ष पर वार

(जीएनएस)।

अहमदाबाद। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक बार पिफर कांग्रेस की राजनीति पर सवाल उठाते हुए कहा कि देश में निराशावादी लोग आत्मनिर्भर भारत का मजाक बना रहे हैं। कांग्रेस अराजकता, अनिश्चितता फैलाकर उसमें अपने लिए सत्ता में आने का अवसर देख रही है। मोदी ने कहा कि कांग्रेस शासित राज्यों में लोग उसके कुशासन से परेशान हैं, इसीलिए कर्नाटक में मुख्यमंत्री को बदलना पडा। उन्होंने वैश्विक संकट की याद दिलाते हुए कहा कि पूरी दुनिया उॅर्जा संकट के कारण अस्त व्यस्त हैं।

दक्षिण गुजरात में 7 विविध जिलों में 18778 करोड रु के विकास कार्यों के उद्घाटन एवं शिलान्यास के बाद सूरत के इंडोर स्टेडियम में आयोजित जनसभा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने विरोधियों को आडे हाथ लिया। मोदी ने कहा कांग्रेस आज भी निराशावादी राजनीति कर रही है। भारत को दुनिया के देशों पर निर्भर रखने वाले आज भी देश के आत्मनिर्भरता के संकल्प की उपेक्षा व उपहास कर रहे हैं।

मोदी ने कहा कि कांग्रेस देश में अराजकता व अनिश्चितता उत्पन्न कर अपने लिए अवसर ढूंढ रही है, लेकिन देश की जनता अब इससे आगे निकल चुकी है। पश्चिम बंगाल में भाजपा की जीत का उल्लेख करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि दुनिया के जिन देशों में भी गया वहां बंगाल में भाजपा की जीत की चर्चा है। प्रधानमंत्री मोदी ने कांग्रेस व नेता विपक्ष राहुल गांधी के अराजकता भरे बयान व दावों पर पलटवार करते हुए कहा कि देश की जनता अब इनको भांप चुकी है, इसलिए हर चुनाव में भाजपा को समर्थन देते जा रही है।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि गुजरात समेत देश की जनता ने कांग्रेस को हाशिए पर धकेल दिया है, जहां भी उनकी सरकार है लोग उनके कुशासन

से परेशान हैं। हिमाचल प्रदेश के निकाय चुनाव में लोगों ने भाजपा का समर्थन किया, पंजाब भी अब कांग्रेस से किनारा कर रहा है और कर्नाटक में भी कांग्रेस के खिलाफ आक्रोश पनप रहा है इसलिए मुख्यमंत्री को बदलना पड़ा।

ध्यान रहे कि हाल ही कांग्रेस ने कर्नाटक में मुख्यमंत्री पद से सिद्दारमैया को इस्तीफा दिलाकर डी के शिवकुमार को पद सौंपा है। गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपनी दूरदर्शिता से गुजरात को जल संकट से मुक्त कर हरियाला बनाने का काम किया।

एक पेड़ मां के नाम

एक पेड़ मां के नाम से प्रेरणा लेकर गुजरात में ऑक्सीजन पार्क बनाये। धोलेरा जैसे क्षारीय इलाके में ड्रम की मदद से 3200 पेड उगाकर क्षैत्र को हरियाला बना दिया। उपमुख्यमंत्री हर्ष संघवी ने पीएम मोदी की उपलब्धियों की सूची गिनाते हुए कहा कि भारत, गुजरात व सूरत मोदी के दिल में धडकते हैं। मोदी ने देश के गरीब व मध्यम वर्ग के लोगों की भलाई के लिए अनेक योजनाएं चलाई।

प्रधानमंत्री ने कहा कि यह दशक दुनिया के लिए आपदा का दशक है, हमने कई आपदाएं देखी, पहले कोरोना आया, पिफर युद्ध शुरू हो गये और अब ऊर्जा संकट आ गया। तेल व गैस की सप्लाई बाधित होने से अफरातफरी मची है इस बात की खुशी है कि 140 की जनसंख्या वाला यह देश ऊर्जा संकट का मुकाबला कर रहा है।

कई परियोजनाओं का उद्घाटन

मोदी ने कहा कि आज वडोदरा - मुंबई एक्सप्रेस वे के बडे हिस्से का उद्घाटन हुआ, इसके अलावा डेडिकेटेड फ्रैट कॉरीडोर, बुलैट ट्रेन भारत की प्राथमिकता वाले प्रोजेक्ट हैं। उनहोंने कहा विकसित भारत विकसित गुजरात का संकल्प तभी साकार होगा जब हमारे गांव व शहर विकसित होंगे।

आज विश्व पर्यारवरण दिवस, इस दिन सबसे स्वच्छ शहरों में से एक सूरत में हूं, यही शहर एक दिन प्लेग जैसी महामारी से पीडित था लेकिन आज स्वच्छता के लिए जाना जाता है। इसमें अधिकारी जनप्रतिनिधि व नागरिकों का सबका योगदान है।

ग्रीन ग्रोथ की ओर बढ़ रही दुनियाः पीएम

दुनिया अब ग्रीन ग्रोथ की ओर आगे बढ रही है, भारत ने भी ग्रीन ग्रोथ पर काफी ध्यान दिया है। गुजरात ने शताब्दी की शुरूआत में ही एक अलग क्लाइमेट चेंज विभाग की स्थापना कर दी थी। उत्तर गुजरात के चारणका में देश का पहला सबसे बडा सौलर पार्क बना। ध्यान रहे कि ये दोनों प्रोजेक्ट गुजरात में मोदी के मुख्यमंत्री रहते हुए शुरू थे।

उन्होंने बताया कि पहले मेगावाट की बात होती थी लेकिन आज गुजरात 200 गीगावाट ऊर्जा का उत्पादन कर रहा है, देश के विकास में इसका बडा योगदान है। सौर ऊर्जा के उत्पादन के साथ अब गुजरात ग्रीन हाइड्रोजन के उतपादन में भी बडी उपलब्धी हासिल कर रहा है।

बीते 12 वर्ष में देश ने अपनी ऊर्जा उत्पादन में अपनी क्षमता को बढाया, पहले सौर ऊर्जा का उत्पादन नाम मात्र का आज टॉप 5 देशों में एक हैं। हमने भारत में इथेनॉल उत्पादन की शक्ति बढाई, बिजली के पूराने सिस्टम का आधुनिकीकरण करने के साथ गैस वितरण की पाइप लाइन को बढाया। हजीरा जाने पर आत्मनिर्भर होने का आभास होता है, यह केवल ऊर्जा उत्पाउन का क्षैत्र ही नहीं एनर्जी, स्टील, डिफेंस प्रोडक्ट के उत्पादन, बंदरगाह के साथ ग्लोबल ईकोसिस्टम बनाता है।

हर्षभाई ने आज सेंचुरी लगा दी

सूरत के इंडोर स्टेडियम में चंद मिनटों में उपमुख्यमंत्री हर्ष संघवी ने बहुत कम शब्दों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से देश में किये गये विकास कार्य तथा गुजरात व देश की जनता की भलाई के कामों का बखान किया तो मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने अपने भाषण से पहले कहा कि हर्ष भाई ने तो आज सेंचूरी लगा दी।

'नकारात्मकता से बहुत आगे निकल चुका है भारत...' पीएम मोदी ने बताया देश की असली ताकत क्या है!

(जीएनएस)।

सूरतः प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विश्व पर्यावरण दिवस के मौके पर सूरत से केंद्र और राज्य सरकारों की 24 अलग-अलग परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया. उन्होंने दक्षिण गुजरात को 18,778 करोड़ रुपये के विकास कार्यों का तोहफा दिया. सूरत के दीनदयाल उपाध्याय इंडोर स्टेडियम में आयोजित इस कार्यक्रम में प्रधानमंत्री ने सूरत के लोगों के हौसले की तारीफ की. कहा, सूरत, जिसने कभी प्लेग जैसी महामारी का सामना किया था, आज पूरे देश में स्वच्छता और पर्यावरण-अनुकूल ऊर्जा का एक बेहतरीन उदाहरण बनकर उभरा है.

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, "दुनिया इस समय अभूतपूर्व चुनौतियों के दौर से गुजर रहा है. कुछ समय पहले मैंने कहा था कि यह दशक दुनिया के लिए आपदाओं का दशक साबित हो रहा है. हाल के दिनों में हमने एक के बाद एक वैश्विक आपदाएं देखी हैं. पहले कोविड-19 के कारण बड़ा संकट आया; फिर अलग-अलग जगहों पर युद्ध छिड़ गए, और गंभीर ऊर्जा संकट ने पूरी दुनिया को अस्त-व्यस्त कर दिया है. दुनिया भर में पेट्रोल की कीमतें लगातार घट-बढ़ रही हैं और गैस सप्लाई चेन ठप हो रही है. मुझे इस बात का बहुत संतोष है कि 140 करोड़ भारतीयों के सामूहिक प्रयासों

से देश ऐसी हर चुनौती का मजबूती से सामना कर रहा है."

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, "आज देश में कुछ ऐसे निराशावादी लोग हैं जो लगातार 'आत्मनिर्भर भारत' अभियान का मजाक उड़ाते हैं. वे देश के इस संकल्प को हमेशा कमतर आंकते हैं. ये वही लोग हैं जिन्होंने भारत को हमेशा दूसरे देशों पर निर्भर रखा. वे भूल जाते हैं कि दूसरों पर निर्भर देश कभी भी विकास की उन ऊंचाइयों को नहीं छू सकता जिसका वह असल में हकदार है."

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आगे कहा, "हमारी सरकार देश के विकास को सबसे ऊपर रखकर काम कर रही है. यही वजह है कि देश भाजपा और उसके विकास कार्यों पर भरोसा करता है, और जनता बार-बार भाजपा को सेवा का मौका देती है... मैं हाल ही में पांच देशों के दौरे पर था, और वहां भी सिर्फ बंगाल की ही चर्चा हो रही थी. हर कोई बंगाल के बारे में बात कर रहा था. बंगाल, असम और पुडुचेरी में हुए चुनावों में भाजपा और एनडीए को भारी जनसमर्थन मिला है."

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, "पिछले 12 वर्षों से कांग्रेस अराजकता और अनिश्चितता फैलाकर अवसर तलाश रही है, लेकिन देश की जनता ने बार-बार उसे मुंहतोड़ जवाब दिया है. गुजरात के लोगों ने कांग्रेस को किनारे लगा दिया है, लेकिन जहां कांग्रेस की सरकारें हैं, वहां भी जनता पार्टी के कुशासन से तंग आ चुकी है. अभी हाल ही में हिमाचल में भी स्थानीय निकाय चुनाव हुए थे, वहां कांग्रेस की सरकार होने के बावजूद पार्टी को करारी हार का सामना करना पड़ा. इससे पहले, कांग्रेस हरियाणा में स्थानीय निकाय चुनाव हार गई थी, और पंजाब के लोगों ने भी पार्टी को साफ संदेश दे दिया है. अराजकता के बीच अवसर तलाशने की कांग्रेस की राजनीति अब नहीं चलेगी."

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, "कर्नाटक के लोगों में कांग्रेस सरकार को लेकर भारी नाराजगी है, और यही वजह है कि पार्टी को वहां अपना मुख्यमंत्री बदलना पड़ा. भारत नकारात्मकता से बहुत आगे निकल चुका है. यह एक ऐसा देश है जो आशावाद से परिभाषित होता है और असाधारण आकांक्षाओं से प्रेरित है. इसके नागरिक सपनों और संकल्पों से भरे हुए हैं, और लोग उस संकल्प को हकीकत में बदलने के लिए प्रतिबद्ध हैं. जब देश की सामूहिक इच्छाशक्ति इतनी दृढ़ हो, तो वह किसी भी लक्ष्य को हासिल कर सकती है और यही भारत की असली ताकत है."

लखनऊ गैंगरेपः ऑटो से भाग रहे उपदेश लोधी उर्फ गहना का एनकाउंटर, जवाबी फायरिंग में लगी गोली, हाथ जोड़कर मांगने लगा माफी

लखनऊ पुलिस ने मॉल कर्मी से सामूहिक दुष्कर्म के मुख्य आरोपी उपदेश लोधी उर्फ गहना को निगोहां में मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया. चेकिंग के दौरान ऑटो पलटने पर आरोपी ने पुलिस पर फायरिंग की. जवाबी कार्रवाई में पैर में गोली लगते ही शातिर बदमाश हाथ जोड़कर जान की भीख मांगने लगा.

उत्तर प्रदेश की लखनऊ पुलिस ने मॉल में काम करने वाली युवती से सामूहिक दुष्कर्म करने वाले मुख्य आरोपी उपदेश लोधी उर्फ गहना को आधी रात को हुई एक मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया है. जवाबी फायरिंग में पैर में गोली लगते ही शातिर बदमाश पुलिस के सामने गिड़गिड़ाने लगा.

आपको बता दें कि लखनऊ के निगोहां थाना क्षेत्र के रामादेई खेड़ा मार्ग पर आधी रात को पुलिस और सर्विलांस टीम ने चेकिंग के दौरान मॉल कर्मी युवती से सामूहिक दुष्कर्म करने वाले मुख्य आरोपी उपदेश लोधी उर्फ गहना को एनकाउंटर के बाद गिरफ्तार कर लिया. पुलिस को देखते

ही ऑटो से भाग रहे 26 वर्षीय आरोपी का बैलेंस बिगड़ने से ऑटो पलट गया. खुद को घिरता देख बदमाश ने पुलिस टीम पर सीधे फायरिंग झोंक दी, जिसके बाद पुलिस ने आत्मरक्षार्थ जवाबी कार्रवाई की. इस मुठभेड़ में आरोपी के बाएं पैर में गोली लगी और वह जमीन पर गिरकर माफी मांगने लगा.

बीती 31 मई की शाम को मॉल से ड्यूटी खत्म कर घर लौट रही 19 साल की युवती तेलीबाग चौराहे से उपदेश के ऑटो में बैठी थी. रास्ते में अन्य सवारियों के उतर जाने के बाद आरोपी और उसके साथी ने ऑटो को गौतमखेड़ा के सुनसान जंगलों की तरफ मोड़ दिया और युवती के साथ सामूहिक दुष्कर्म किया. वारदात के दौरान सामने से आ रही एक कार की हेडलाइट देखकर आरोपी घबरा गए और पीड़िता को वहीं छोड़कर भाग निकले. डरी हुई युवती ने कार सवार से मदद मांगी और 1 जून को मुकदमा दर्ज कराया गया.

शातिर अपराधी है उपदेश लोधी

डीसीपी साउथ अमित कुमार आनंद ने बताया कि पकड़ा गया आरोपी उपदेश लोधी उर्फ गहना निगोहां के रंजीत खेड़ा का रहने वाला शातिर अपराधी है, जिस पर रायबरेली में भी हत्या के प्रयास का मामला दर्ज है. मुठभेड़ के बाद घायल बदमाश को इलाज के लिए पीजीआई ट्रामा सेंटर भेजा गया है. पुलिस ने उसके कब्जे से वारदात में इस्तेमाल ऑटो, एक अवैध देसी तमंचा, जिंदा कारतूस और खोखा बरामद किया है. फिलहाल पुलिस वारदात में शामिल उसके फरार साथी की सरगर्मी से तलाश कर रही है.

श्रावस्ती को सीएम योगी की सौगातः केन नाला जैव विविधता विरासत स्थल घोषित, पर्यटन को मिलेगा बढ़ावा

(जीएनएस)।

श्रावस्ती, यूपी के श्रावस्ती में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुलरा स्थित केन नाला को जैव विविधता विरासत स्थल घोषित करने का ऐलान किया। यह घोषणा उन्होंने शुक्रवार को बलरामपुर में विभिन्न विकास परियोजनाओं के लोकार्पण और शिलान्यास कार्यक्रम के दौरान की। इस घोषणा से जिले में पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा।

भिनगा आरक्षित वन क्षेत्र में स्थित 452.88 हेक्टेयर वन क्षेत्र में फैले केन नाला का 80 हेक्टेयर क्षेत्र अब जैव विविधता विरासत स्थल के रूप में जाना जाएगा। मीठे और स्वच्छ जल के एक अद्वितीय पारिस्थितिक तंत्र के रूप में प्रसिद्ध केन नाले की प्रमुख वनस्पति फ्रेश वाटर मैंग्रोव

बैंरिंगटोनिया एक्यूटेंगुला है, जिसे स्थानीय रूप से इंजड़ कहते हैं।

घोषणा के दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि श्रावस्ती भगवान राम के पुत्र लव द्वारा बसाई गई नगरी है। यहां भगवान बुद्ध ने सर्वाधिक चतुर्मास व्यतीत किए थे और यह जैन परंपरा से भी जुड़ी तीर्थस्थली है। पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए श्रावस्ती को विकसित किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि केन नाला विभिन्न स्थलीय और जलीय जीवों का प्राकृतिक आवास है। यहां वन्य जीव, पशु और पक्षी भी निवास करते हैं। यह क्षेत्र पक्षियों के ऋतु प्रवास के लिए भी महत्वपूर्ण है। यहां औषधीय पौधों की कई प्रजातियां भी पाई जाती हैं। यह स्थल वन्यजीव संरक्षण अधिनियम, 1972 के तहत संरक्षित क्षेत्र नेटवर्क में शामिल नहीं है।

उप्र : शासकीय अधिवक्ता समुदाय ने विभिन्न अदालतों में पैरवी करने वाले शासकीय अधिवक्ताओं की फीस वृद्धि पर मुख्यमंत्री आदित्यनाथ का आभार जताया

(जीएनएस)।

लखनऊ, पांच जून (भाषा) उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा विभिन्न अदालतों में राज्य सरकार की ओर से पैरवी करने वाले शासकीय अधिवक्ताओं की रिटेनरशिप एवं बहस फीस में वृद्धि किए जाने के निर्णय का अधिवक्ता समुदाय ने स्वागत करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के प्रति आभार व्यक्त किया है।

राज्य के महाधिवक्ता और उनकी पूरी टीम ने इसे ऐतिहासिक निर्णय बताया है।

यहां जारी बयान में अधिवक्ताओं ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अदालतों में राज्य के हितों की प्रभावी पैरवी सुनिश्चित करने की आवश्यकता को समझते हुए इस विषय पर पहल की और अब प्रदेश मंत्रिमंडल ने रिटेनरशिप एवं बहस फीस में ऐतिहासिक वृद्धि का निर्णय लेकर अधिवक्ता समुदाय की लंबे समय से चली आ रही अपेक्षा को पूरा किया है। बयान के अनुसार, यह निर्णय केवल फीस वृद्धि का विषय नहीं है, बल्कि न्यायिक व्यवस्था को अधिक सक्षम, उत्तरदायी और परिणामोन्मुख बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है जिससे अदालतों में राज्य सरकार के मामलों की गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध पैरवी को और बल मिलेगा। महाधिवक्ता अजय मिश्र ने कहा कि विभिन्न श्रेणी के पैनल अधिवक्ताओं तक इस निर्णय का व्यापक लाभ पहुंचेगा। उन्होंने कहा कि बदलते न्यायिक परिदृश्य, मुकदमों की बढ़ती संख्या, जटिल विधिक विषयों तथा अधिवक्ताओं की बढ़ी जिम्मेदारियों को देखते हुए पारिश्रमिक संरचना के पुनरीक्षण की आवश्यकता लंबे समय से महसूस की जा रही थी। विशेष रूप से जनपद अदालतों के अधिवक्ताओं की फीस में लगभग 10 वर्ष तथा महाधिवक्ता स्तर पर लगभग 14 वर्ष बाद संशोधन किया जाना प्रदेश सरकार की संवेदनशीलता और दूरदर्शिता को दशार्ता है।

लखनऊ में फंदे पर लटका मिला युवक, इंस्टाग्राम पर लिखा- 'मुझे अपने साथ ले लो, यहां अपना कोई नहीं

(जीएनएस)।

लखनऊ, पुलिस की छानबीन में पता चला कि विकास ने आत्महत्या करने से 24 घंटे पहले हाथ से बने स्केच के साथ 'मुझे अपने साथ ले लो, यहां अपना कोई नहीं' लिखकर पोस्ट किया था।

विकास के पिता विनीत कुमार ने बताया कि वह और विकास एक प्राइवेट अस्पताल में काम करते थे। रोज की तरह बृहस्पतिवार रात वह ड्यूटी पर अस्पताल चले गए। घर पर बेटा अकेला था। शुक्रवार सुबह करीब आठ बजे मकान में रहने वाले एक किरायेदार ने बरामदे में लगे पंखे से गमछे के सहारे विकास का शव लटका देखा।

किरायेदार ने इसकी सूचना विनीत और पुलिस को दी। खबर पाकर पिता और पुलिस मौके पर पहुंच गए। इंस्पेक्टर मोहनलालगंज बृजेश त्रिपाठी ने बताया कि छानबीन के दौरान न तो कोई सुसाइड नोट मिला और न ही आत्महत्या की वजह का पता चल सका। परिजनों ने भी किसी पर कोई आरोप नहीं लगाया है।

24 घंटे पहले इंस्टाग्राम पर किया था पोस्ट

पुलिस की छानबीन में पता चला कि विकास ने आत्महत्या करने से 24 घंटे पहले हाथ से बने स्केच के साथ 'मुझे अपने साथ ले लो, यहां अपना कोई नहीं' लिखकर पोस्ट किया था। स्केच पर 'अनामिका' नाम भी लिखा था। पिता ने पुलिस को बताया कि उनकी पत्नी की दो साल पहले बीमारी से मौत हो चुकी है। बेटी ज्योति

लखनऊ में सीवर की सफाई के दौरान दम घुटने से बाप-बेटे की मौत, दो घंटे तक 20 फीट गहरे सीवर में फंसे रहे

नगर आयुक्त ने कहा है कि संबंधित ठेकेदार को ब्लैकलिस्ट किया जाएगा और उसके खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई जाएगी.

(जीएनएस)।

लखनऊ : रेजिडेंसी क्षेत्र में सीवर लाइन की सफाई के दौरान जहरीली गैस की चपेट में आने से पिता और बेटे की मौत हो गई. दोनों करीब दो घंटे तक लगभग 20 फीट गहरे सीवर में फंसे रहे. बाहर निकालकर दोनों को ट्रॉमा सेंटर ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया. दोनों एक ठेकेदार के अधीन कार्य कर रहे थे. आरोप है कि उन्हें बिना किसी सुरक्षा उपकरण के सीवर में उतारा गया था. न तो उनके पास ऑक्सीजन सिलेंडर था, न गैस डिटेक्टर, न ही सेफ्टी बेल्ट.

नगर आयुक्त गौरव कुमार ने घटना पर दुख जताते हुए कहा है कि संबंधित ठेकेदार को ब्लैकलिस्ट किया जाएगा और उसके खिलाफ

एफआईआर दर्ज कराई जाएगी. साथ ही मृतकों के परिजनों को नियमानुसार मुआवजा भी दिया जाएगा. लखनऊ में यह पहला मामला नहीं है. इससे पहले 8 मई 2026 को माल क्षेत्र में एक सेप्टी टैंक की सफाई के दौरान दो मजदूरों, रिंकू और राजेश की जहरीली गैस से दम घुटने के कारण मौत हो गई थी.

हादसों में दिख रहा एक जैसा पैटर्न : हाल के सभी मामलों में कुछ समान तथ्य सामने आए हैं. मजदूरों को बिना सुरक्षा उपकरणों के सीवर या टैंक में उतार दिया जाता है. बंद सीवर और सेप्टिक टैंकों में मीथेन तथा हाइड्रोजन सल्फाइड जैसी जहरीली गैस जमा हो जाती है, जिनकी वजह से अंदर जाते ही दम घुटने लगता है. अक्सर एक व्यक्ति के बेहोश होने पर उसे बचाने के लिए दूसरा व्यक्ति नीचे उतरता है और वह भी हादसे का शिकार हो जाता है.

कानून क्या कहता है? 'प्रोहिबिशन ऑफ एम्प्लॉयमेंट ऐज मैनुअल स्कैवेंजर्स एंड देयर रिहैबिलिटेशन एक्ट, 2013' के तहत बिना सुरक्षा उपकरणों के किसी व्यक्ति को सीवर या सेप्टिक टैंक में उतारना अपराध की श्रेणी में आता है. कानून के उल्लंघन की स्थिति में संबंधित ठेकेदार और जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की जा सकती है तथा उन्हें जेल की सजा भी हो सकती है.

नगर निगम पर उठ रहे सवाल : हर हादसे के बाद जिम्मेदारी को लेकर सवाल खड़े होते हैं. अक्सर नगर निगम और संबंधित एजेंसियां ठेकेदारों पर जिम्मेदारी डाल देती हैं, जबकि श्रमिकों को सुरक्षा उपकरण उपलब्ध कराना और मानकों का पालन सुनिश्चित करना संबंधित विभागों की भी जिम्मेदारी होती है.

नगर निगम ने हाल के हादसों को देखते हुए खुले नालों और मैनहोल को तत्काल ढकने तथा 24 घंटे कंट्रोल रूम के माध्यम से निगरानी के निर्देश जारी किए हैं. नागरिकों से भी अपील की गई है कि यदि कहीं खुला मैनहोल दिखाई दे तो इसकी सूचना टोल फ्री नंबर 1533 पर दें.

यूपी को वैश्विक पर्यटन केंद्र बनाने पर जोर, सीएम योगी ने की नई परियोजनाओं की समीक्षा

(जीएनएस)।

लखनऊ, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पर्यटन, विरासत संरक्षण और ज्ञान भारतम् मिशन की समीक्षा की. उन्होंने पर्यटन को रोजगार, निवेश और सांस्कृतिक पुनर्जागरण से जोड़ने पर जोर दिया.

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि यूपी सिर्फ आस्था का केंद्र नहीं, बल्कि भारत की सांस्कृतिक चेतना, आध्यात्मिक परंपरा और ज्ञान विरासत का प्रतिनिधि प्रदेश है. पर्यटन विकास को केवल आधारभूत संरचना निर्माण तक सीमित न रखते हुए उसे सांस्कृतिक पुनर्जागरण, स्थानीय अर्थव्यवस्था, रोजगार सृजन और वैश्विक पहचान से जोड़कर आगे बढ़ाया जाना चाहिए. गुरुवार को पर्यटन विभाग की समीक्षा करते हुए उन्होंने कहा कि सूबे की सांस्कृतिक अर्थव्यवस्था को नई गति देने में पर्यटन की अहम भूमिका है. पर्यटन विकास के जरिए स्थानीय उत्पादों, हस्तशिल्प, पारंपरिक कला, खानपान, संस्कृति और सेवा क्षेत्र को भी व्यापक अवसर प्राप्त होंगे.

भारतीय ज्ञान परंपरा के संरक्षण से जुड़े ज्ञान भारतम् मिशन की समीक्षा करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत की प्राचीन पांडुलिपियां हमारी सभ्यता, दर्शन, विज्ञान और सांस्कृतिक चेतना की अमूल्य धरोहर हैं. इनका संरक्षण और डिजिटलीकरण सिर्फ अभिलेखीकरण का कार्य नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों को अपनी जड़ों से जोड़ने का माध्यम है.

मीटिंग में अब तक 13 लाख 70 हजार से ज्यादा पांडुलिपियों के सर्वेक्षण, डिजिटलीकरण और संरक्षण की प्रगति की जानकारी दी गई.

पर्यटन नीति-2022 में प्रस्तावित संशोधनों की समीक्षा के दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश को निवेश, नवाचार और अनुभव आधारित पर्यटन का अग्रणी केंद्र बनाया जाए. बैठक में नीम करोली बाबा सर्किट और बुंदेलखंड फोर्ट सर्किट के रूप में नए क्षेत्रों के विकास पर चर्चा हुई. इसके साथ ही, 'परंपरा' विरासत अनुभव केंद्र, कृषि पर्यटन और वाइनयार्ड पर्यटन जैसी नई अवधारणाओं को बढ़ावा देने पर भी विचार-विमर्श किया गया. मुख्यमंत्री ने कहा कि पर्यटन नीति ऐसी हो, जो निवेश आकर्षित करे, रोजगार बढ़ाए और पर्यटकों को विशिष्ट अनुभव प्रदान करे.

मुख्यमंत्री ने लखनऊ में नव लोकार्पित 'नौसेना शौर्य वाटिका' और निमार्णाधीन आईएनएस गोमती शौर्य संग्रहालय की समीक्षा करते हुए कहा कि यह परियोजना राष्ट्रभक्ति, सैन्य गौरव और भारत की समुद्री विरासत को नई पीढ़ी तक पहुंचाने का महत्वपूर्ण माध्यम बनेगी.

उन्होंने कहा कि इसका संचालन लखनऊ विकास प्राधिकरण द्वारा किया जाना चाहिए. बैठक में बताया गया कि निमार्णाधीन आईएनएस गोमती शौर्य संग्रहालय में भारतीय नौसेना के गौरवशाली इतिहास, समुद्री शक्ति, नौसैनिक अभियानों, आईएनएस गोमती की यात्रा, नौवहन परंपरा और भारत की समुद्री विरासत को आधुनिक तकनीक, इंटरैक्टिव गैलरियों, सिम्युलेटर, युवा कैडेट एरीना और विविध अनुभवात्मक प्रदर्शनों के माध्यम से प्रस्तुत किया जाएगा.

PRGI No.: UPHIN/25/A1698 Published & Owned by RAGINI JIGNESHKUMAR VAGHELA and Printed By SUSHILA SHUKLA at Krishna Printiers, 271/31 Chakmaki Dugawa, Rajendranagar, Lucknow-226018, Uttar Pradesh.
and Published from 538 GHA/85 Pataurganj, Near Janki Prasad Dharmshala, Sitapur Road, Niralanagar, Lucknow-226020, Uttar Pradesh. Editor : VINOD KUMARI
Regd.Office : B/13, Sneh Plaza Shopping Center, I.O.C. Road, Chandkheda, Ahmedabad - 382 424 Gujarat,India. Phone : (o) 7698333307 (M) 8485951747,7096333307
Email:navsarjansanskruti2016@gmail.com*navsarjansanskruti2016@yahoo.com*Website : www.navsarjansanskruti.com

सम्पादकीय

हमारे देश का लोकतंत्र मात्र चुटकुलों, मीम्स और परफॉर्मेंस के सहारे नहीं चलाया जा सकता

दिल्ली का कॉन्स्टिट्यूशन क्लब अमूमन गंभीर राजनीतिक बहसों, प्रेस कॉन्फ्रेंस और रवायती नेताओं की सपेद पोशाकों का गवाह बनता रहा है। लेकिन बीते बुधवार को वहां जो कुछ हुआ, उसने भारतीय राजनीति के एक नए और अतरंगे अध्याय की आहट दे दी। तीन पढ़े-लिखे नौजवान मंच पर बैठते हैं और देश के शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग बुलंद करते हैं। यह मांग किसी स्थापित विपक्षी दल की तरफ से नहीं, बल्कि एक ऐसे संगठन की ओर से आती है जिसका नाम 'कॉकरोच जनता पार्टी' है। जो कल तक सोशल मीडिया के टाइमलाइन पर महज एक व्यंग्य, डिजिटल मज़ाक और कड़वे मीम्स का जरिया था, वह अब देश की राजधानी की सड़कों पर उतरने की तैयारी कर रहा है। नीट-यूजी और सीबीएसई जैसी परीक्षाओं में लगातार सामने आ रहे पेपर लीक के मामलों ने देश के युवाओं के भीतर जिस कदर हताशा और आक्रोश भरा है, यह आंदोलन उसी की एक उपज है। लेकिन बड़ा सवाल यह है कि क्या सिर्प डिजिटल स्पेस में वायरल होकर या तंज कसकर देश की जमीनी सियासत को बदला जा सकता है? क्या यह भारतीय लोकतंत्र में युवाओं की वास्तविक छटपटाहट है या फिर सोशल मीडिया की चमक-दमक के बीच उपजा एक और अल्पकालिक तमाशा? इस आंदोलन की रीढ़ कहे जाने वाले तीन चेहरे सौरव दास, विजेता दहिया और आशुतोष रांका अपने आप में दिलचस्प पृष्ठभूमि रखते हैं। इनमें कोई स्थापित और मझा हुआ राजनेता नहीं है। एक सजग पत्रकार और सोशल एक्टिविस्ट हैं जो आरटीआई के जरिए सरकारी तंत्र की खामियों को उजागर करते रहे हैं, तो दूसरा ध्रुव राठी जैसे बड़े मंचों के लिए गहरे शोध और सिप्ट लेखन से जुड़ा रहा है। तीसरे चेहरे को देखें तो वे आईआईटी कानपुर और लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स जैसी वैश्विक संस्थाओं से पढ़कर लौटे पब्लिक पॉलिसी विशेषज्ञ हैं। ये वो युवा हैं जो अंग्रेजी बोलते हैं, इंटरनेट की बारीकियों को समझते हैं और जिनके पास अपनी बात को आधुनिक तरीके से रखने का सलीका है। आगामी 6 जून को जब इस पाटा के संस्थापक अमेरिका से दिल्ली लौटेंगे और जंतर-मंतर पर प्रदर्शन की अनुमति मांगी जाएगी, तब इस डिजिटल गुस्से की पहली असली परीक्षा जमीन पर होगी। पेपर लीक का मुद्दा निति रूप से देश के करोड़ों छात्रों और उनके अभिभावकों के भविष्य से जुड़ा एक बेहद संवेदनशील और गंभीर विषय है। इस मुद्दे पर युवाओं की नाराजगी शत-प्रतिशत जायज है, लेकिन इस नाराजगी को अभिव्यक्त करने के लिए 'कॉकरोच' जैसे प्रतीक और विशुद्ध व्यंग्य का सहारा लेना इस आंदोलन की गंभीरता पर ही सवाल खड़े कर देता है। इतिहास गवाह है कि महज आक्रोश और सोशल मीडिया के एल्गोरिदम से कभी भी स्थायी तब्दीली नहीं आती। डिजिटल दुनिया में किसी पोस्ट का ट्रेंड कर जाना या लाखों लाइक्स मिल जाना क्रांति का पैमाना नहीं हो सकता। कॉकरोच पाटा ने युवाओं के भीतर पनप रहे असली दर्द और बेरोजगारी की कड़वी सच्चाई को बेबाकी से सामने तो रखा है, लेकिन जब बात ठोस और व्यावहारिक एजेंडे की आती है, तो यह संगठन बगलें झांकता नजर आता है। किसी भी लोकतांत्रिक देश को सिर्प चुटकुलों, मीम्स और परफॉर्मेंस के सहारे नहीं चलाया जा सकता। एक वत्त के बाद जनता और वत्त दोनों ही मुश्किल सवाल पूछते हैं। नौकरियां वैसे पैदा होंगी? देश की लड़खड़ाती अर्थव्यवस्था को सुधारने की क्या योजना है? टैक्स ढांचा, पुलिस सुधार या विदेश नीति पर संगठन की क्या सोच है? इन बुनियादी और जटिल नीतिगत सवालों पर कॉकरोच पाटा के पास फिलहाल कोई ठोस जवाब नहीं है। राजनीति में इस तरह की अस्पष्टता का एक फायदा जरूर होता है कि विचारधारा के स्तर पर मतभेद नहीं होते और हर तरह का असंतुष्ट तबका आपके साथ जुड़ा रहता है, लेकिन जैसे ही आप किसी एक गंभीर मुद्दे पर ठोस स्टैंड लेते हैं, आंतरिक अंर्तविरोध और मतभेद सतह पर आने लगते हैं। इस पूरे नैरेटिव का एक खतरनाक पहलू यह भी है कि यह आंदोलन युवाओं को लगातार नकारात्मकता और व्यवस्था के प्रति घोर निराशा की ओर धकेल सकता है। सत्ता की आलोचना करना और उससे तीखे सवाल पूछना लोकतंत्र की आत्मा है, लेकिन स्वस्थ लोकतंत्र को ऐसे नागरिकों की भी जरूरत होती है जो यह विश्वास रखें कि मौजूदा तंत्र में सुधार मुमकिन है।

ट्रंप के बयान के बाद एक्सपर्ट क्यों कह रहे हैं, 'मोदी से दोस्ती का हवाला देकर भारत पर बना रहे हैं दबाव'

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हाल ही में कहा है कि वर्षों तक भारत अमेरिका का फायदा उठाता रहा है लेकिन अब ठीक उल्टा हो रहा है और अमेरिका भारत से खूब पैसे बना रहा है. ट्रंप का ये बयान 1 जून और 4 जून तक भारत और अमेरिका के बीच ट्रेड डील पर चली बातचीत के बाद आया है. ट्रंप ने व्हाइट हाउस में संवाददाताओं के सवालों के जवाब देते हुए कहा भारत ने अमेरिका पर बहुत ज्यादा टैरिफ लगाया और बदले में कुछ भी नहीं दिया. फि लहाल भारत पर अमेरिका ने दस फीसदी टैरिफ लगा रखा है. एक समय अमेरिका ने भारत पर टैरिफ बढ़ाकर 50 फीसदी कर दिया था. इसके बाद इसे 18 फीसदी और फिर दस फीसदी कर दिया गया था.

ट्रंप ने भारत से ट्रेड डील और टैरिफ पर क्या कहा

मंगलवार को ट्रंप ने भारत और अमेरिका के बीच ट्रेड डील पर चल रही बातचीत पर पूछे सवाल के जवाब में कहा कि वर्षों के टैरिफ विवाद के बावजूद उनके पीएम नरेंद्र मोदी के साथ काफी अच्छे संबंध हैं.

उन्होंने कहा कि नरेंद्र मोदी अच्छे दोस्त हैं और उम्मीद है कि ये रिश्ता बातचीत (ट्रेड डील) को 'फिनिश लाइन' पार करा देगा.

उन्होंने कहा कि टैरिफ को लेकर दोनों देशों के बीच वर्षों से विवाद चल रहा है लेकिन उन्हें उम्मीद है कि डील हो जाएगी. दरअसल वो भारत और अमेरिका के बीच ट्रेड डील पर चली रही बातचीत की ओर इशारा कर रहे थे.

भारत में अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर ने भी पिछले दिनों कहा था कि दोनों देशों के बीच ट्रेड डील पर बात अंतिम दौर में है. भारत के वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने भी कहा था कि ट्रेड डील पर बातचीत के सभी पहलुओं को सुलझा लिया गया है.

हालांकि इस बीच, अमेरिका के ट्रेड रिप्रेजेंटिव ने भारत समेत 60 देशों पर 10 से 12.5 फीसदी तक अतिरिक्त टैरिफ लगाने का प्रस्ताव देकर स्थिति पेचीदा कर दी है.

इन देशों पर जबरन मजदूरी के जरिये बनाए गए सामान को अमेरिका निर्यात करने का आरोप है.

भारत को 12.5 फीसदी वाले अतिरिक्त टैरिफ वाले देशों की सूची में रखा गया है.

भारतीय विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल से जब ट्रंप के बयान पर प्रतिक्रिया मांगी गई तो उन्होंने कहा, "अमेरिका की एक टीम 1 जून से 4 जून तक भारत में बातचीत के लिए मौजूद थी. उम्मीद है कि आने

वाले दिनों में बातचीत आगे भी जारी रहेगी और जिस अंतरिम व्यापार समझौते पर फिलहाल चर्चा चल रही है, उसे दोनों पक्ष अंतिम रूप दे देंगे."

लेकिन कांग्रेस ने इस पर तीखी प्रतिक्रिया दी है.

कांग्रेस प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर ट्रंप के बयान का हवाला देते हुए लिखा, "ट्रंप ने एक बार फिर भारत को अपमानित किया है. अगर नाकाम विदेश नीति का कोई चेहरा होता तो ये यही होता."

भारत के पूर्व विदेश सचिव कंवल सिब्बल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा,"भारत के ऊंचे टैरिफ केवल अमेरिका के लिए नहीं थे, और न ही अमेरिका के अपेक्षाकृत कम टैरिफ केवल भारत के लिए थे.

"यह धारणा बनाना कि भारत ने अमेरिकी निर्यात पर सिरे से 200 फीसदी टैरिफ लगा रखा था, पूरी तरह भ्रामक है."

"विडंबना यह है कि ट्रंप मानते हैं कि अमेरिकी अर्थव्यवस्था की रक्षा के लिए ऊंचे टैरिफ लगाना एक अच्छा उपाय है, लेकिन भारत यदि अपनी अर्थव्यवस्था के कुछ अहम सेक्टरों की सुरक्षा के लिए ऊंचे टैरिफ लगाए, तो उन्हें वह मंजूर नहीं."

"मोदी को पसंद करने की बात करना भी असल मुद्दे से ध्यान भटकाने वाला बयान लगता है."

रणनीतिक मामलों के विशेषज्ञ ब्रह्म चेलानी ने इस मामले पर टिप्पणी करते हुए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, " एक बार फिर ट्रंप ने भारत पर दबाव बनाने को सही ठहराने के लिए प्रधानमंत्री मोदी के साथ अपनी दोस्ती का हवाला दिया."

वहीं पूर्व राजनयिक केसी सिंह ने एक्स पर लिखा, "ट्रंप के साथ दिक्कत यही है. एक तरफ वह मोदी को अपना दोस्त बताते हैं, दूसरी तरफ भारत पर दबाव बनाकर उससे अधिकतम लाभ लेने की बात करते हैं. ऐसे में सवाल उठता है कि क्या यह सच्ची मित्रता है या फिर सिर्फ. एक बेहद स्वार्थी और सौदेबाज राजनीति को ढंकने का तरीका?"

भारत और अमेरिका की बीच ट्रेड डील को लेकर 1 से 4 जून के बीच बातचीत हो चुकी.अमेरिका की ओर से मुख्य वातार्कार थे ब्रैन्डन लिंच.

इस बातचीत के बाद ट्रंप ने खुद कहा था कि भारत और अमेरिका डील फाइनल करने के बेहद करीब है.

भारत की ओर से भी बातचीत पर संतोष जताया गया और कहा गया कि समझौता होने के बेहद करीब है.

लेकिन अमेरिकी टीम के दिल्ली में रहते ही अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि ने 60 देशों पर नए टैरिफ लगाने का प्रस्ताव दिया. अमेरिका ने कहा कि जबरदस्ती मजदूरी कराने के आरोप में इन देशों पर ये अतिरिक्त टैरिफ लगाया जाएगा.

भारत उन देशों में शामिल है, जिन पर 12.5 फीसदी अतिरिक्त टैरिफ लगाने का प्रस्ताव दिया गया है. एक समय में अमेरिका ने भारत पर सीधे 50 फीसदी टैरिफ लगा दिया था. लेकिन इस साल फरवरी में इसे घटाकर 18 फीसदी कर दिया गया. लेकिन अमेरिका के सुप्रीम कोर्ट की ओर एकतरफा टैरिफ लगाने के ट्रंप के फैसले को खारिज किए जाने के बाद इसे घटाकर दस फीसदी कर दिया गया था. दरअसल फरवरी में भारत ने 500 अरब डॉलर की ऊर्जा, एयरक्राफ्ट, टेक्नोलॉजी और एग्रीकल्चर प्रोडक्ट खरीदने का वादा किया था. इसके बाद ही ट्रंप प्रशासन ने भारत पर टैरिफ घटा कर दस फीसदी किया था.

पीएम नेहरू से लेकर पीएम मोदी के युग तक, कैसे बदली भारत की ग्लोबल पहचान

(जीएनएस)।

आजादी से लेकर अभी तक भारत ने विकास के कई प्रतिमान गढ़े हैं. सन् 1947 में जब देश को स्वतंत्रता मिली थी, तब भारत को सपेरों का देश कहा जाता था. 21वीं सदी में भारत कंप्यूटर टेक्नोलॉजी का बेताज बादशाह है. सॉफ्टवेयर के क्षेत्र में भारतीय टैलेंट का लोहा पूरी दुनिया मानती है. पिछले सात से आठ दशकों में भारत ने लंबा सफर तय किया है. 10 जून 2026 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देश के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू का रिकॉर्ड पीछे छोड़ते हुए भारत के सबसे लंबे समय तक लगातार सेवा देने वाले लोकतांत्रिक रूप से निर्वाचित प्रधानमंत्री बन जाएंगे. यह उपलब्धि केवल राजनीतिक इतिहास का एक नया अध्याय नहीं है, बल्कि स्वतंत्रता के बाद से भारत की शासन व्यवस्था,

विकास मॉडल और वैश्विक पहचान में आए व्यापक बदलाव का भी प्रतीक मानी जा रही है.

स्वतंत्रता के बाद नेहरू युग में भारत ने विकास का रास्ता केंद्रीय योजना, सार्वजनिक क्षेत्र के विस्तार और बड़े बुनियादी ढांचा परियोजनाओं के माध्यम से चुना. उस दौर में राज्य की भूमिका विकास की धुरी थी और गरीबी उन्मूलन तथा औद्योगिकीकरण के लिए सरकारी संस्थानों पर विशेष जोर दिया गया. हालांकि, समय के साथ कल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन में नौकरशाही जटिलताओं, संसाधनों की लीकेज और लाभार्थियों तक सहायता पहुंचाने में देरी जैसी चुनौतियां भी सामने आईं.

एक दशक में बड़ा बदलाव

पिछले एक दशक में भारत के प्रशासनिक मॉडल में उल्लेखनीय बदलाव देखने को मिला है. केंद्र सरकार ने तकनीक आधारित शासन व्यवस्था को प्राथमिकता देते हुए कल्याणकारी योजनाओं की डिलीवरी को डिजिटल प्लेटफॉर्म से जोड़ दिया. इस बदलाव का प्रमुख आधार जनधन खाते, आधार और मोबाइल फोन पर आधारित खअट (जनधन-आधार-मोबाइल) ढांचा तथा डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर (उह्ळ) प्रणाली रही है. इसके माध्यम से सरकारी सहायता सीधे लाभार्थियों के बैंक खातों में भेजी जाने लगी, जिससे बिचौलियों की भूमिका कम हुई और पारदर्शिता बढ़ी.

सरकार का दावा है कि डिजिटल टेक्नोलॉजी के उपयोग से कल्याणकारी योजनाओं का लाभ अधिक प्रभावी ढंग से आम नागरिकों तक पहुंचा है. ग्रामीण और अर्ध-शहरी क्षेत्रों में आवास, शौचालय, स्वच्छ रसोई गैस और नल से जल जैसी सुविधाओं के विस्तार को इसी रणनीति का हिस्सा माना जा रहा है. नीति निमार्ताओं का तर्क है कि ऐसी परिसंपत्तियां गरीब परिवारों को बुनियादी सुरक्षा प्रदान कर उन्हें आर्थिक रूप से सशक्त बनाने में मदद करती हैं.

ग्लोबल इमेज में भी बदलाव

घरेलू स्तर पर यह परिवर्तन भारत की वैश्विक छवि में आए बदलाव के साथ भी जुड़ा हुआ है. प्रधानमंत्री मोदी ने कई अवसरों पर कहा है कि दुनिया कभी भारत को स्नेक चार्मर्स यानी सपेरों के देश के रूप में देखती थी, लेकिन आज भारत माउस चार्मर्स यानी कंप्यूटर माउस और डिजिटल तकनीक से दुनिया को प्रभावित करने वाले देश के रूप में उभर रहा है. यह टिप्पणी भारत की तेजी से बढ़ती डिजिटल अर्थव्यवस्था, टेक्नोलॉजिकल इनोवेशन और डिजिटल पेमेंट सिस्टम की सफलता को रेखांकित करती है.

बदलती प्राथमिकताएं

विशेषज्ञों का मानना है कि नेहरू से मोदी तक का यह सफर केवल दो प्रधानमंत्रियों की कार्यशैली का अंतर नहीं, बल्कि बदलती राष्ट्रीय प्राथमिकताओं का भी प्रतिबिंब है. जहां शुरूआती दशकों में राज्य-नियंत्रित विकास मॉडल प्रमुख था, वहीं आज तकनीक संचालित और प्रत्यक्ष लाभ वितरण आधारित शासन व्यवस्था को नई दिशा के रूप में देखा जा रहा है. प्रधानमंत्री मोदी के रिकॉर्ड कार्यकाल के साथ भारत की यह प्रशासनिक और सामाजिक यात्रा एक महत्वपूर्ण ऐतिहासिक पड़ाव पर पहुंच गई है.

भारत और अफगानिस्तान वनडे मुकाबले की तैयारी तेज, 15 को आएंगी टीमें

भारत और अफगानिस्तान के बीच 17 जून को लखनऊ के इकाना स्टेडियम में होने वाले दूसरे वनडे मैच की तैयारियां तेज हो गई हैं।

(जीएनएस)।

लखनऊ। भारत और अफगानिस्तान के बीच तीन मैचों की वनडे सीरीज का दूसरा मुकाबला 17 जून को अटल बिहारी वाजपेयी इकाना स्टेडियम में खेला जाएगा। मैच को लेकर उत्तर प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन (यूपीसीए) ने तैयारियां तेज कर दी हैं।

गुरुवार को आयोजित प्रेसवार्ता में यूपीसीए के सचिव प्रेम मनोहर गुप्ता ने बताया कि मुकाबले के आयोजन के लिए सभी आवश्यक तैयारियां की जा रही हैं। भारत और अफगानिस्तान की टीम धर्मशाला में पहला वनडे खेलने के बाद 15 जून की शाम तक लखनऊ पहुंचेंगी। दोनों टीमें 16 जून को इकाना स्टेडियम में अभ्यास सत्र में हिस्सा लेंगी।

यूपीसीए के कोषाध्यक्ष सचिन आनंद शुक्ला ने बताया कि जून की भीषण गर्मी को देखते हुए दर्शकों की

सुविधा के लिए विशेष इंतजाम किए जा रहे हैं। स्टेडियम परिसर में आने वाले दर्शकों को मुफ्त पेयजल उपलब्ध कराया जाएगा, ताकि उन्हें गर्मी के दौरान किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े।

इस मुकाबले के लिए टिकटों की शुरूआती कीमत 599 रुपये निर्धारित की गई है, जबकि हास्पिटैलिटी श्रेणी के टिकट पांच हजार रुपये से लेकर 25000 रुपये तक उपलब्ध होंगे। टिकटों की कीमत मांग और उपलब्धता के आधार पर परिवर्तित हो सकती है।

उन्होंने बताया कि सात या आठ जून से स्टेडियम परिसर में आफलाइन काउंटर पर टिकटों की बिक्री शुरू होगी। इस मौके पर यूपीसीए के मीडिया मैनेजर मोहम्मद फहीम भी मौजूद रहे।

किंग कोहली के न आने से निराशा

विराट कोहली चोट के चलते भारत और अफगानिस्तान वनडे सीरीज से बाहर हो गए हैं। इस खबर से किंग कोहली के प्रशंसकों ही नहीं, बल्कि युवा क्रिकेटरों में भी निराशा है। लखनऊ के युवा क्रिकेटर अंश यादव कहते हैं, मेरे साथ हजारों लोग विराट को इकाना में खेलते देखने का इंतजार था। हाल ही में आइपीएल में उनका शानदार प्रदर्शन रहा था और प्रशंसकों को उम्मीद थी कि वह इस सीरीज में खेलने लखनऊ जरूर आएंगे। मैंने अभी तक कोहली के सभी अंतरराष्ट्रीय मैच देखा है। वह मेरे पसंदीदा खिलाड़ी हैं। हालांकि, रोहित शर्मा भारतीय टीम का हिस्सा होंगे।

किसी फिल्म के सेट से कम नहीं है मशहूर यूट्यूबर और बिग बॉस ओटीटी 2 के विनर एल्विश यादव का नया घर, सजा रखा है बड़ा-सा देसी हुक्का

(जीएनएस)।

मशहूर यूट्यूबर और बिग बॉस ओटीटी 2 के विनर एल्विश यादव अभी के वक्त में किसी भी पहचान के मोहताज नहीं है और आपको बता दें कि वह एक लग्जरियस लाइफ जीते हैं। लेकिन फैन्स काफी वक्त से उनके गुड़गांव में बने नए आलीशान लग्जरी घर को देखने के लिए बेताब है। अब हाल ही में खुद एल्विश यादव ने अपने घर का टूर करवा दिया है।

एल्विश यादव का गुड़गांव वाला घर किसी राजमहल से काम नहीं है। होम टूर के दौरान उन्होंने बताया कि बचपन से ही उनका एक सपना था कि जब भी वह अपना खुद का घर बनवाएंगे तो टीवी सीरियल में दिखने वाले बड़े और आलीशान बंगले जैसा होगा।

एल्विश यादव का ड्रीम हाउस

एल्विश यादव का यह ड्रीम होम

अब पूरी तरीके से तैयार हो चुका है और सोशल मीडिया पर भी इसकी तस्वीरें खूब वायरल हो रही हैं। नयन दीप रक्षित को हाल ही में उन्होंने अपना हाउस टूर करवाया है। तो चलिए देखते हैं कि एल्विश यादव के इस सपनों के घर की अंदर की झलक कैसी है।

एल्विश यादव के घर का बाहर का नजारा काफी बेहतरीन है और यह कोई साधारण बंगला नहीं है बल्कि एक आलीशान चार मंजिला की इमारत है। होम टूर के वक्त उन्होंने बताया कि उनके इस आलीशान घर को बनाने के लिए 4 साल से ज्यादा का वक्त लग गया।

घर का सबसे खूबसूरत हिस्सा घर के बीचो-बीच बनी हुई सीढ़ियां है। जो किसी पुराने राजमहल या फिर बड़े फिल्मी सेट से काम नहीं लगती है। यह मार्बल से बनी हुई है और पीछे की दीवार पर टेक्सचर वर्क बहुत ही ज्यादा सुंदर है।

घर का लिविंग रूम भी है काफी खूबसूरत

एल्विश यादव के घर में लिविंग रूम भी काफी खूबसूरत है और यहां पर ग्रे टोन का बेहद ही आरामदायक और आलीशान सोफा भी लगाया हुआ है। बीच में रखी हुई व्हाइट मार्बल फिनिश वाली गोल सेंटर टेबल और बैकग्राउंड की दीवारों पर लगी हुई वार्म लाइट्स काफी ज्यादा इसको सुंदर बना देती हैं।

घर में लगा हुआ है बड़ा सा हुक्का

मॉडर्न और वेस्टर्न इंटीरियर के बीच एल्विश यादव ने अपने देसी अंदाज को नहीं छोड़ा और घर में बड़े साइज का देसी हुक्का भी सजा कर रखा हुआ है। जो घर में हरियाणवी टच देता है।

बेडरूम लगता है फाइव स्टार होटल जैसा

बेडरूम की बात करें तो यह भी किसी फाइव स्टार होटल की तरह लगता है। कमरे में किंग साइज बेड लगा हुआ है और इसके पीछे दीवार पर ग्रे और गोल्डन लाइटिंग का बहुत ही बेहतरीन कॉम्बिनेशन देखने के लिए मिलता है।

संगमरमर से बनाया मंदिर

घर के मंदिर की बात करें तो यह भी काफी सुंदर है और इसको सफेद संगमरमर से बहुत ही खूबसूरत तरीके से बनाया गया है। मंदिर के दोनों तरफ इनडोर प्लांट्स भी लगे हुए हैं।

'अल्फा एक बेहद कूल एक्शन फिल्म और पूरी तरह एंटरटेनर है!'- बॉबी देओल

(जीएनएस)।

यश राज फिल्म्स की 'अल्फा', जिसमें आलिया भट्ट मुख्य भूमिका में हैं, को लेकर दर्शकों के बीच उत्सुकता लगातार बढ़ रही है। फिल्म में अहम भूमिका निभा रहे बॉबी देओल ने फिल्म की जमकर तारीफ करते हुए इसे एक स्टाइलिश, हाई-एनर्जी मसाला एंटरटेनर बताया है, जो दर्शकों को सिनेमाघरों में वही अनुभव देगी जिसकी वे उम्मीद करते हैं।

फिल्म की यात्रा का हिस्सा रहे बॉबी का कहना है कि 'अल्फा' अपने आत्मविश्वास, भव्यता और शुरूआत से अंत तक दर्शकों को बांधे रखने की क्षमता के कारण अलग नजर आती है।

फिल्म को एक बेहद कूल एक्शन फिल्म और संपूर्ण मनोरंजन पैकेज बताते हुए बॉबी कहते हैं, "मुझे इस फिल्म की सबसे अच्छी बात यह लगी कि इसे पूरी तरह पता है कि यह क्या बनना चाहती है - एक ऐसी फिल्म जो दर्शकों को सिनेमाघरों में मजेदार और रोमांचक अनुभव दे। मैं हर दिन शूटिंग पर जाने के लिए उत्साहित रहता था क्योंकि सेट पर हमेशा कुछ न कुछ दिलचस्प और रोमांचक होता था।"

बॉबी का मानना है कि फिल्म के

सेट पर मौजूद सहयोगात्मक और सकारात्मक माहौल ने इस अनुभव को और भी खास बना दिया। उनके अनुसार कलाकारों और तकनीकी टीम के बीच की आत्मीयता और गर्मजोशी हर दिन महसूस होती थी, जिससे शूटिंग का अनुभव उतना ही आनंददायक बन गया जितना यह फिल्म दर्शकों के लिए होने वाली है।

निर्देशक शिव रवैल के साथ काम करने के अनुभव को याद करते हुए बॉबी कहते हैं, "सेट का माहौल बेहद सकारात्मक था और इसका पूरा श्रेय मैं शिव रवैल को देना चाहूंगा। एक अभिनेता के तौर पर ऐसे निर्देशक के साथ काम करना प्रेरणादायक होता है, जिसे अपने विजन और उस दुनिया के बारे में पूरी स्पष्टता हो जिसे वह पर्दे पर रचना चाहता है। उन्होंने कुछ ऐसा बनाया है जो ताजा और अलग महसूस होता है, और उस सफर का हिस्सा बनना मेरे लिए बेहद संतोषजनक रहा।" वह आगे कहते हैं,"आलिया और शर्वरी को एक बड़े एक्शन स्पेक्टेकल के केंद्र में देखना भी बेहद रोमांचक था। दोनों ने अपने किरदारों के लिए जबरदस्त समर्पण और एनर्जी दिखाई, जिसने इस प्रोजेक्ट पर काम करने के अनुभव को और भी खास बना दिया।"

बॉबी अंत में कहते हैं,"मैं बेसब्री से इंतजार कर रहा हूं कि दर्शक 'अल्फा' का अनुभव करें और मुझे उम्मीद है कि वे इस फिल्म को भरपूर प्यार देंगे।" शिव रवैल के निर्देशन और यश राज फिल्म्स के निर्माण में बनी 'अल्फा' में शर्वरी भी मुख्य भूमिका में हैं। यह फिल्म 3 जुलाई 2026 को दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

त्रिधा चौधरी आज के समय में किसी भी पहचान की मोहताज नहीं, अच्छी खासी फैन फॉलोइंग हासिल की

(जीएनएस)। त्रिधा चौधरी आज के समय में किसी भी पहचान की मोहताज नहीं है और आपको बता दें कि उन्होंने सिर्फ बॉलीवुड में ही नहीं बल्कि ओटीटी प्लेटफॉर्म की दुनिया में भी एक अच्छी खासी फैन फॉलोइंग हासिल की है। 22 नवंबर 1989 में कोलकाता में उनका जन्म हुआ और वहीं से उन्होंने पढ़ाई पूरी की।

त्रिधा चौधरी ने माइक्रोबायोलॉजी में ग्रेजुएशन किया हुआ है और कॉलेज के ही दिनों से वह फिल्म इंडस्ट्री में काफी दिलचस्पी रखती थी तो उन्होंने मॉडलिंग में अपनी किस्मत आजमाई। लेकिन बहुत कम लोगों को पता है कि वह कभी डॉक्टर बनना चाहती थी। लेकिन उनकी किस्मत उन्हें फिल्म इंडस्ट्री में ले आई।

मॉडलिंग में आजमाई किस्मत

त्रिधा चौधरी ने मॉडलिंग से अपने करियर की शुरूआत कर दी थी और इसके बाद में धीरे-धीरे उन्होंने एक्टिंग की तरफ रुख किया। साल 2011 में उन्होंने टाइम्स आफ इंडिया फ्रेश फेस

से अपनी एक खास पहचान बनाई।

बंगाली फिल्मों से की शुरूआत

साल 2013 में अभिनेत्री ने श्रीजीत मुखर्जी की बंगाली फिल्म 'मिश्र रहस्य' से एक्टिंग इंडस्ट्री में डेब्यू कर लिया था। इसके बाद में वह बैक टू बैक कई सारी बंगाली फिल्मों में भी नजर आई। लेकिन साल 2015 में त्रिधा चौधरी ने तेलुगु फिल्मों में कदम रख दिया था और वह फिल्म में निखिल सिद्धार्थ के साथ में नजर

टीवी शोज में भी आई नजर

त्रिधा चौधरी साल 2016 में सीरियल दहलीज में भी नजर आई थी। इसके बाद इस सीरियल को काफी ज्यादा पसंद भी किया गया था। हालांकि यह शो लंबे वक्त तक टिक नहीं पाया और इसके बाद अभिनेत्री ने भी टीवी इंडस्ट्री से दूरी बना ली थी।

बॉबी देओल के साथ दिए इंटीमेट सीन

त्रिधा चौधरी इसके बाद में स्पॉटलाइट, शेई जे होलुद पाखी, दुल्हा वांटेड, आश्रम और बंदिश बैंडिट्स जैसी वेब सीरीज में भी नजर आई। लेकिन आपको बता दें कि वेब सीरीज आश्रम से उन्होंने एक खास पहचान हासिल की जिसमें उन्होंने बॉबी देओल के साथ कई सेंसेशनल सीन भी दिए। अपने से 24 साल बड़े एक्टर के साथ इंटीमेट सीन देकर वह रातों-रात छा गई थी।

गुजरात के हजीरा में गूंजा स्वदेशी डिफेंस पावर का डंका, पीएम मोदी ने देखा L&T का मेगा कॉम्प्लेक्स

पीएम मोदी ने शुक्रवार को सूरत के हजीरा स्थित लार्सन एंड टुब्रो के आर्म्ड सिस्टम्स कॉम्प्लेक्स का दौरा किया

(जीएनएस)।

नई दिल्लीः पीएम मोदी शुक्रवार को गुजरात के दौरे पर पहुंचे हैं। इस दौरान उन्होंने सूरत के हजीरा स्थित लार्सन एंड टुब्रो के आर्म्ड सिस्टम्स कॉम्प्लेक्स का दौरा किया। उन्होंने रक्षा क्षेत्र से जुड़े उपकरणों और निर्माण कार्यों का निरीक्षण किया। अधिकारियों ने प्रधानमंत्री को परिसर में चल रहे विभिन्न प्रोजेक्ट्स और तकनीकों की जानकारी दी।

प्रधानमंत्री मोदी ने देश में रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता बढ़ाने के प्रयासों पर जोर दिया। छ&ळ का यह परिसर रक्षा उपकरणों के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है और 'मेक इन इंडिया' अभियान को मजबूती देने में योगदान दे रहा है। दौरे के दौरान प्रधानमंत्री ने यहां की उत्पादन क्षमताओं और आधुनिक सुविधाओं का

भी जायजा लिया।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 5 जून को विश्व पर्यावरण दिवस पर गुजरात में सूरत की यात्रा पर हैं। इस यात्रा के दौरान वह सूरत से गुजरात सरकार के ऊर्जा एवं पेट्रोकेमिकल्स विभाग के और पावरग्रिड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड के 4950.39 करोड़ रुपए की लागत वाले 4 विकास कार्यों का लोकार्पण करेंगे।

स्वदेशी हथियारों का बड़ा केंद्र है हजीरा

गुजरात के हजीरा में स्थित लार्सन एंड टुब्रो (L&T) का आर्म्ड सिस्टम्स कॉम्प्लेक्स (ASC) भारत के निजी क्षेत्र का एक प्रमुख रक्षा उत्पादन केंद्र है। करीब 50 एकड़ में फैला यह अत्याधुनिक परिसर रोबोटिक वेल्डिंग, आधुनिक असेंबली और इंटीग्रेशन सिस्टम जैसी उन्नत तकनीकों से लैस है। वर्ष 2019 में राष्ट्र को समर्पित किए गए इस कॉम्प्लेक्स का उद्देश्य 'मेक इन इंडिया' और रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भर भारत के विजन को मजबूती देना है।

भारत के कौन से घातक हथियार हो रहे हैं तैयार?

इस केंद्र में भारतीय सेना के लिए ड9 वज्र-टी ऑटोमेटिक होविट्जर तोपों का निर्माण किया गया है। इसके अलावा, बीएई सिस्टम्स के साथ साझेदारी में बीवीएस10 सिंधु ऑल-टेरेन बख्तरबंद वाहन और ऊंचाई वाले इलाकों में तैनाती के लिए स्वदेशी लाइट टैंक भी विकसित किए जा रहे हैं। कठिन पहाड़ी, रेगिस्तानी और दलदली क्षेत्रों में संचालन के लिए तैयार किए जा रहे ये प्लेटफॉर्म भारत की बढ़ती रक्षा निर्माण क्षमता और आत्मनिर्भरता की दिशा में महत्वपूर्ण उपलब्धि माने जा रहे हैं।

'मोदी जी आप ना कूद पड़िएगा पानी में', राहुल गांधी के स्कूबा डाइविंग वाले वीडियो से कांग्रेस का जोश हाई

राहुल गांधी के स्कूबा डाइविंग वीडियो को लेकर कांग्रेस ने प्रधानमंत्री मोदी पर तंज कसा है। कांग्रेस प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत की टिप्पणी के बाद यह वीडियो सोशल मीडिया और राजनीतिक गलियारों में चर्चा का विषय बन गया है।

(जीएनएस)।

नई दिल्लीः कांग्रेस नेता राहुल गांधी का एक स्कूबा डाइविंग वाला वीडियो सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बन गया है। वीडियो को शेयर करते हुए कांग्रेस प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर तंज कसा, जिसके बाद राजनीतिक बयानबाजी का नया दौर शुरू हो गया। श्रीनेत की टिप्पणी सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही है।

वीडियो शेयर कर किया कटाक्ष

सुप्रिया श्रीनेत ने एक्स पर राहुल गांधी का स्कूबा डाइविंग वीडियो

शेयर करते हुए लिखा, 'मेरा मोदी जी से आग्रह है, ज्यादा लोड ना लें। यह करतब दिखाने की कोई जरूरत नहीं है। राहुल जी सर्टिफाइड स्कूबा डाइवर हैं।' उन्होंने आगे कहा कि प्रधानमंत्री को पानी में कूदने की कोशिश नहीं करनी चाहिए।

'टास्क मिला है, लेकिन कुछ करना नहीं है'

कांग्रेस प्रवक्ता ने अपने पोस्ट में आगे लिखा, 'टास्क तो मिला है, पर आपने कुछ करना नहीं है।' इस टिप्पणी को प्रधानमंत्री मोदी पर सीधा राजनीतिक कटाक्ष माना जा रहा है। श्रीनेत ने अपनी पोस्ट में व्यंग्यात्मक अंदाज अपनाते हुए बीजेपी समर्थकों का भी जिक्र किया।

श्रीनेत ने पोस्ट के अंत में लिखा, 'भक्तों के चक्कर में लेने के देने ना पड़ जाएं।' इस तीखे बयान के बाद सोशल मीडिया पर समर्थकों और विरोधियों के बीच तीखी बहस छिड़ गई। कई यूजर्स ने कांग्रेस नेता के बयान का समर्थन किया, जबकि कई लोगों ने इसकी आलोचना भी की।

सोशल मीडिया पर छिड़ी बहस

राहुल गांधी के वीडियो और उस पर आई राजनीतिक प्रतिक्रियाओं ने सोशल मीडिया का माहौल गर्मा दिया है। हालांकि इस मामले में बीजेपी की ओर से अभी तक कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है, लेकिन राजनीतिक हलकों में इस बयान को लेकर चचाओं का दौर जारी है

पर्यावरण संरक्षण पर यूपी का बड़ा रोडमैप, सीएम योगी ने की क्लीन एयर प्रोजेक्ट से लेकर 100 नई वेटलैंड्स तक कई बड़ी घोषणाएं

(जीएनएस)।

विश्व पर्यावरण दिवस पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पर्यावरण संरक्षण को लेकर कई बड़ी घोषणाएं कीं। उन्होंने 2,741 करोड़ रुपये की लागत वाले देश के पहले एयर शेड आधारित यूपी क्लीन एयर मैनेजमेंट प्रोजेक्ट की शुरूआत की, 100 नई आर्द्रभूमियां अधिसूचित करने का ऐलान किया और जुलाई में 35 करोड़ पौधे लगाने का लक्ष्य तय किया। साथ ही जल संरक्षण, जैव विविधता संवर्धन और सिंगल यूज प्लास्टिक पर रोक का आह्वान किया।

विश्व पर्यावरण दिवस

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर उत्तर प्रदेश सरकार ने पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छ वायु, जल संरक्षण और जैव विविधता संवर्धन को लेकर कई महत्वाकांक्षी योजनाओं का ऐलान किया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि विकसित भारत और विकसित उत्तर प्रदेश की आधारशिला स्वच्छ और संतुलित पर्यावरण पर ही टिकी है। उन्होंने प्रदेशवासियों से 'एक पेड़ माँ के नाम' लगाने, जल संरक्षण को जीवन का हिस्सा बनाने और सिंगल यूज प्लास्टिक के इस्तेमाल को पूरी तरह बंद करने का आ'ान किया।

राजधानी लखनऊ में आयोजित 'उत्तर प्रदेश में जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों का समाधान' विषय पर आयोजित कार्यशाला में मुख्यमंत्री ने विश्व बैंक की सहायता से 2,741 करोड़ रुपये लागत वाले देश के पहले एयर शेड आधारित उत्तर प्रदेश क्लीन एयर मैनेजमेंट प्रोजेक्ट (यूपी कैम्प) का शुभारंभ किया। इस दौरान यूपी कैम्प के लोगो, वेबसाइट और वीडियो का डिजिटल अनावरण भी किया गया। मुख्यमंत्री की मौजूदगी में विश्व बैंक और यूपी कैम्प के बीच एमओयू का आदान-प्रदान भी हुआ।

वायु प्रदूषण से निपटने के लिए शुरू हुआ यूपी कैम्प

मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश क्लीन एयर मैनेजमेंट प्रोजेक्ट प्रदेश में वायु गुणवत्ता सुधारने की दिशा में बड़ा कदम साबित होगा। एयर शेड आधारित यह देश की पहली

परियोजना है, जो विभिन्न क्षेत्रों में प्रदूषण के स्रोतों की पहचान कर उनके प्रभावी नियंत्रण पर काम करेगी।

बलिया का सुरहाताल बना देश का 100वां रामसर स्थल

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने प्रदेश के 13 रामसर स्थलों के डॉकेट का विमोचन किया। इस दौरान बलिया स्थित श्री जयप्रकाश नारायण पक्षी विहार (सुरहाताल) को उत्तर प्रदेश का 13वां और देश का 100वां रामसर स्थल घोषित किए जाने का प्रमाण पत्र भी उन्हें सौंपा गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह प्रदेश के लिए गौरव की बात है कि देश के 100वें रामसर स्थल का दर्जा उत्तर प्रदेश को मिला है।

प्रदेश में 100 नई आर्द्रभूमियां होंगी अधिसूचित

मुख्यमंत्री ने उत्तर प्रदेश में 100 नई आर्द्रभूमियों को अधिसूचित करने की घोषणा की और इसके लिए विकसित पोर्टल का भी शुभारंभ किया। उन्होंने बताया कि इस कदम के बाद देश की अधिसूचित आर्द्रभूमियों में उत्तर प्रदेश का योगदान लगभग 50 प्रतिशत तक पहुंच जाएगा। कार्यक्रम में नवअधिसूचित आर्द्रभूमियों में शामिल छह ग्राम पंचायतों के प्रधानों को अधिसूचना प्रमाण पत्र भी प्रदान किए गए।

35 करोड़ पौधों के महाअभियान की तैयारी

मुख्यमंत्री ने 'एक पेड़ माँ के नाम' वृक्षारोपण महाअभियान-2026 के लोगो का अनावरण किया। उन्होंने बताया कि आगामी जुलाई में वन महोत्सव के दौरान प्रदेशभर में 35 करोड़ पौधे लगाने का लक्ष्य रखा गया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रेरणा से पिछले नौ वर्षों में उत्तर प्रदेश में 242 करोड़ से अधिक पौधों का रोपण किया जा चुका है। वर्तमान में सरकारी और निजी नर्सरियों में लगभग 55 करोड़ पौधे उपलब्ध हैं।

श्रावस्ती के गुलरा को मिला विशेष दर्जा

मुख्यमंत्री के समक्ष श्रावस्ती जिले के गुलरा (केन नाला) को बायोडायवर्सिटी हेरिटेज साइट के रूप में अधिसूचित किए जाने की घोषणा भी की गई। इसे प्रदेश में जैव विविधता संरक्षण की दिशा में महत्वपूर्ण उपलब्धि माना जा रहा है।

प्रतियोगिता विजेताओं और ग्राम प्रधानों को सम्मान

मुख्यमंत्री ने यूपी कैम्प लोगो डिजाइन प्रतियोगिता, चित्रकला प्रतियोगिता के विजेताओं और आर्द्रभूमि संरक्षण में योगदान देने वाले ग्राम प्रधानों को सम्मानित किया। इससे पहले उन्होंने पर्यावरण संरक्षण पर आधारित प्रदर्शनी का भी अवलोकन किया।

बदलते मौसम पर जताई चिंता

मुख्यमंत्री ने कहा कि पर्यावरण की लगातार उपेक्षा का असर मौसम चक्र में स्पष्ट दिखाई दे रहा है। 25 वर्ष पहले और आज के मौसम चक्र में लगभग एक से डेढ़ महीने का अंतर आ गया है। इसका सबसे ज्यादा असर किसानों पर पड़ रहा है, जिन्हें कभी अतिवृष्टि तो कभी सूखे जैसी परिस्थितियों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि असमय आने वाली प्राकृतिक आपदाएं मानव समाज को चेतावनी दे रही हैं कि अब पर्यावरण संरक्षण को सर्वोच्च प्राथमिकता देनी होगी।

तालाब, पोखर और जलाशयों को बचाने पर जोर

योगी आदित्यनाथ ने कहा कि उत्तर प्रदेश जल संसाधनों की दृष्टि से देश के सबसे समृद्ध राज्यों में शामिल है। इसलिए तालाबों, पोखरों, कुओं, बावड़ियों और अन्य जलाशयों को संरक्षित करना बेहद जरूरी है। उन्होंने ग्राम पंचायतों और नगर निकायों से जल निकायों को अतिक्रमण मुक्त रखने, अमृत सरोवरों की नियमित सफाई करने और जल संरक्षण को जनभागीदारी से जोड़ने की अपील की।

सिंगल यूज प्लास्टिक छोड़ने का आ'ान

मुख्यमंत्री ने कहा कि ग्लोबल वॉर्मिंग, वायु प्रदूषण, जैव विविधता का क्षरण और जल संकट जैसी चुनौतियां पूरी दुनिया के सामने हैं। इनसे निपटने के लिए प्रकृति के अनुकूल जीवनशैली अपनानी होगी। उन्होंने लोगों से सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग बंद करने और पर्यावरण संरक्षण को जन आंदोलन बनाने की अपील की।

मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वच्छ वायु, निर्मल जल, उपजाऊ भूमि और हरित वन मानव सभ्यता की जीवनरेखा हैं। इनके संरक्षण से ही भावी पीढ़ियों का सुरक्षित और समृद्ध भविष्य सुनिश्चित किया जा सकता है।

यूपी के बाहर भी क्यों चल रहा 'योगी का सिक्का'? बुलडोजर और हिंदुत्व को बनाया चुनावी जीत की गारंटी

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ अपने राज्य ही नहीं देश भर में लोकप्रिय हैं। शासन को लेकर उनका सख्त रवैया और राज्य के तेजी से विकास के लिए उनकी प्रतिबद्धता ने उन्हें लोकप्रिय बनाया है।

(जीएनएस)।

लखनऊ : उत्तर प्रदेश में 19 मार्च 2017 को जब योगी आदित्यनाथ पहली बार मुख्यमंत्री बने थे, तब किसी ने यह नहीं सोचा था कि वे इस राज्य के पिछले सारे रिकॉर्ड ध्वस्त करते हुए सबसे लंबे समय तक सीएम की कुर्सी संभालेंगे। योगी आदित्यनाथ लगातार 9 साल से यूपी की सरकार ही नहीं चला रहे हैं वे निरंतर देश के सबसे लोकप्रिय मुख्यमंत्री भी बने हुए हैं। योगी आदित्यनाथ एक साधु हैं जिनकी ख्याति सिर्फ यूपी तक सीमित नहीं है, वे देश के कोने-कोने में लोकप्रिय हैं। पिछले नौ सालों में आम लोगों में उनकी लोकप्रियता क्रमशः बढ़ती गई है।

योगी चुनावों में चमकने वाले सितारे

योगी आदित्यनाथ ऐसे नेता हैं जिन्हें हर विधानसभा, लोकसभा चुनाव में उनकी पार्टी बीजेपी स्टार प्रचारक बनाती है। वास्तव में चुनावी सभाओं में उनकी चमक किसी सितारे से कम नहीं होती। उनकी दो टूक खरी-खरी तथ्यात्मक बातें सुनने वालों को गहरे तक प्रभावित करती है। वे पूरी ईमानदारी से अपने तर्क सामने रखते हैं जिससे उनका स्पष्ट नजरिया जाहिर होता है। वे यदि सीधी उंगली से घी न निकले तो उंगली को टेढ़ी करने में देर नहीं करते। वास्तव में योगी आदित्यनाथ जैसा सोचते हैं, वैसे ही वे दिखते भी हैं। राजनेताओं में यह गुण बहुत कम देखने को मिलता है।

योगी का बेदाग व्यक्तित्व

बीजेपी चुनावी समर में योगी आदित्यनाथ को बड़े योद्धा के रूप में क्यों पेश करती है? इसका कारण है योगी आदित्यनाथ का व्यक्तित्व। न तो उनकी वेशभूषा कभी बदलती है, न ही उनकी भाषण देने की शैली बदलती है। वे जहां भी जाते हैं वहां के स्थानीय मुद्दों को गहराई तक पकड़कर अपनी बात करते हैं। इसके साथ वे उत्तर प्रदेश के वे उदाहरण भी देते हैं जिनसे संबंधित प्रदेश के मुद्दे मेल खाते हैं। हर राज्य में योगी को सुनने के लिए भारी भीड़ जुटती है। उन्होंने 2019 के

लोकसभा चुनाव में 30 संसदीय सीटों पर चुनाव प्रचार किया था जिनमें से 23 पर बीजेपी को जीत मिली थी। उत्तर भारत के सभी क्षेत्रों में योगी आदित्यनाथ का काफी प्रभाव है।

चनावी रैलियों में भीड़ को वोटों में तब्दील करने में माहिर

योगी आदित्यनाथ की पिछले एक साल की चुनावी गतिविधियों पर नजर डालें तो वे निरंतर सक्रिय दिखते रहे हैं। उन्होंने बिहार, असम, पश्चिम बंगाल सहित कई अन्य राज्यों में सैकड़ों चुनावी रैलियों को संबोधित किया था। पश्चिम बंगाल और असम के विधानसभा चुनावों में उन्होंने बीजेपी उम्मीदवारों का धुआंधार प्रचार किया था। बिहार में भी उन्होंने कई रैलियों को संबोधित किया था। इसके अलावा उन्होंने महाराष्ट्र के विधानसभा चुनाव के अलावा उत्तर प्रदेश के स्थानीय उपचुनावों में भी रैलियां और रोड शो किए थे।

'बुलडोजर मॉडल' और कानून व्यवस्था

पश्चिम बंगाल के विधानसभा चुनावों में योगी आदित्यनाथ ने नंदीग्राम, जुरसांको और भगवानपुर सहित कई स्थानों पर जनसभाओं को संबोधित किया था। उन्होंने चुनावी रैलियों में 'बुलडोजर मॉडल' और कानून व्यवस्था के मुद्दों को मजबूती से उठाया था। असम में सीएम योगी ने बारपेटा सहित कई स्थानों पर चुनावी रैलियों को संबोधित किया था और घुसपैठ तथा जनसांख्यिकीय (डेमोग्राफी) में बदलाव जैसे मुद्दों को लेकर बीजेपी का प्रचार किया था।

लोकसभा चुनाव में 31 दिनों में 204 सभाएं

लोकसभा चुनाव 2024 में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने यूपी के अलावा 12 राज्यों और 2 केंद्र शासित प्रदेशों में धुआंधार चुनाव प्रचार किया था। वे अपने गृह राज्य उत्तर प्रदेश के अलावा महाराष्ट्र, उत्तराखंड, बिहार, छत्तीसगढ़, हरियाणा, मध्य प्रदेश, राजस्थान, पश्चिम बंगाल, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, जम्मू और कश्मीर, ओडिशा, दिल्ली और चंडीगढ़ तक चुनाव प्रचार के लिए पहुंचे थे। उन्होंने करीब 61 दिनों में कुल 204 चुनावी जनसभाओं को संबोधित किया था।

इससे पहले मई 2019 में हुए लोकसभा चुनाव में भी योगी आदित्यनाथ स्टार प्रचारक थे। उन्होंने 9 राज्यों के 30 लोकसभा क्षेत्रों में चुनाव प्रचार किया था जिनमें से 23 सीटों पर बीजेपी को विजय मिली थी।

कई सालों से निरंतर सबसे लोकप्रिय सीएम

योगी आदित्यनाथ देश के एक मात्र ऐसे मुख्यमंत्री हैं जो पिछले कई सालों से देश के सबसे लोकप्रिय सीएम बने हुए हैं। समय-समय पर अलग- अलग संस्थाओं की ओर से कराए जाने वाले सर्वेक्षणों में सीएम योगी हमेशा पहले स्थान पर बने रहे हैं। अगस्त 2025 में किए गए एक सर्वेक्षण के नतीजों के मुताबिक योगी आदित्यनाथ देश के सबसे लोकप्रिय मुख्यमंत्री हैं। इस सर्वे में उन्हें राष्ट्रीय स्तर पर करीब 36 फीसदी जनता का समर्थन मिला था। शेष मुख्यमंत्री उनसे बहुत पीछे थे। बंगाल की तत्कालीन सीएम ममता बनर्जी को 13 प्रतिशत समर्थन मिला था।

इससे पहले 2023 में किए गए एक सर्वेक्षण के नतीजों ने यह स्पष्ट किया था कि योगी आदित्यनाथ की लोकप्रियता अन्य राज्यों के मुख्यमंत्रियों की तुलना में किस स्तर पर है। इसमें योगी आदित्यनाथ का 43 प्रतिशत लोगों ने समर्थन किया था। जबकि दिल्ली के तत्कालीन सीएम अरविंद केजरीवाल का 19%, पश्चिम बंगाल की तत्कालीन मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का 8.8%, तमिलनाडु के तत्कालीन मुख्यमंत्री एमके स्टालिन का 5.6% और ओडिशा के तत्कालीन मुख्यमंत्री नवीन पटनायक का 3 प्रतिशत लोगों ने समर्थन किया था।

योगी आदित्यनाथ को क्यों पसंद करते हैं लोग?

देश के लोगों को योगी आदित्यनाथ क्यों पसंद हैं? योगी की लोकप्रियता के पीछे उनका सख्त प्रशासनिक रवैया, यूपी में कानून-व्यवस्था में सुधार और हिंदुत्व की मजबूत छवि है। वे सांस्कृतिक राष्ट्रवादी नेता माने जाते हैं। अयोध्या में राम मंदिर निर्माण के बाद से पूरे भारत में उनकी पहचान एक प्रमुख हिंदूवादी और राष्ट्रवादी नेता के रूप में पहले से अधिक सुदृढ़ हुई है।

योगी की कार्यशैली अन्य मुख्यमंत्रियों से अलग है। वे सख्त फैसले लेते हैं और विकास की गति तेज रखते हैं। यूपी में तेज विकास उनकी इच्छाशक्ति को दशार्ता है। एक्सप्रेसवे, एयरपोर्ट जैसे निर्माण, नए उद्योगों के विकास के साथ बेहतर कानून व्यवस्था उनकी प्राथमिकता है। उनकी पहचान एक ऐसे नेता के रूप में बन चुकी है जो फैसले लेने में पीछे नहीं हटते। अपराधियों के खिलाफ वे सबसे सख्त सीएम हैं। योगी आदित्यनाथ उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री बनने से पहले सन 1998 से 2017 तक यूपी के गोरखपुर लोकसभा क्षेत्र से सांसद रहे थे।

सीएम योगी के बर्थडे पर बनारस में कटा 54 किलो का केक, हुई विशेष आरती, मायावती ने भी दी बधाई

बीएसपी प्रमुख मायावती ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को जन्मदिन की बधाई दी है. उन्होंने एक्स पोस्ट के जरिए उनके स्वस्थ और दीर्घायु जीवन की कामना की.

(जीएनएस)।

बहुजन समाज पार्टी की सुप्रीमो मायावती ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को उनके जन्मदिन के मौके पर शुभकामनाएं दी हैं. मायावती ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए योगी आदित्यनाथ के स्वस्थ जीवन और दीर्घायु होने की दुआएं की.

मायावती ने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा, 'उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री व भाजपा के सीनियर नेता योगी आदित्यनाथ को आज उनके जन्मदिन पर हार्दिक बधाई एवं उनके स्वस्थ्य जीवन व दीर्घायु होने की भी शुभकामनाएं.'

मायावती के इस मैसेज को प्रदेश की राजनीति में शिष्टाचार और राजनीतिक सौहार्द के तौर पर देखा जा रहा है. मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के जन्मदिन के मौके पर तमाम सियासी दलों के नेता उन्हें बधाई संदेश भेज रहे हैं.

यूपी के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद

ने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा, "उत्तर प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को जन्मदिवस की हार्दिक शुभकामनाएं. मयार्दा पुरुषोत्तम प्रभु श्रीराम जी से आपके उत्तम स्वास्थ्य एवं दीर्घायु की कामना करता हूं."

सीएम योगी के 54वें जन्मदिन मनाने के मौके पर वाराणसी के हनुमान मंदिर में विशेष अनुष्ठान किए गए. समारोह में 54 किलो का केक काटा गया और 54 पौधे चढ़ाए गए.

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा, "उत्तर प्रदेश के लोकप्रिय एवं कर्मठ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं. उनके नेतृत्व में उत्तर प्रदेश ने सुशासन, सुरक्षा, विकास एवं जनकल्याण के क्षेत्रों में उल्लेखनीय उपलब्धियां अर्जित की हैं. उनके दृढ़ संकल्प और अथक परिश्रम के परिणामस्वरूप आज उत्तर प्रदेश प्रगति और समृद्धि के पथ पर तेज गति से अग्रसर है. ईश्वर से प्रार्थना है कि उन्हें उत्तम स्वास्थ्य, दीर्घायु तथा जनसेवा के लिए निरंतर ऊर्जा और शक्ति प्रदान करें."

कौन हैं योगी आदित्यनाथ?

योगी आदित्यनाथ उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री और भारतीय जनता पार्टी के प्रमुख नेताओं में से एक हैं. उनका मूल नाम अजय सिंह बिष्ट है. उनका जन्म 5 जून 1972 को उत्तराखंड (तत्कालीन उत्तर प्रदेश) के पौड़ी गढ़वाल जिले के पंचूर गांव में हुआ था.

योगी आदित्यनाथ ने हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल विश्वविद्यालय से विज्ञान (बीएससी) की पढ़ाई की. छात्र जीवन के दौरान ही उनका झुकाव धार्मिक गतिविधियों की ओर रहा है.

'धर्म सेवा करते हुए लक्ष्य को प्राप्त करें', राजा भैया ने इस अंदाज में दी सीएम योगी को जन्मदिन की बधाई

(जीएनएस)।

सिद्धार्थ प्रताप सिंह, प्रतापगढ़ः उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के जन्मदिन पर राजनीतिक गलियारों में शुभकामनाओं का सिलसिला देखने को मिला। सत्ता पक्ष के नेताओं के साथ-साथ अन्य राजनीतिक दलों के नेताओं ने भी उन्हें जन्मदिन की बधाई देते हुए उनके नेतृत्व, प्रशासनिक क्षमता और जनसेवा के प्रति समर्पण की सराहना की। इसी क्रम में रघुराज प्रताप सिंह उर्फ राजा भैया ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर मुख्यमंत्री को जन्मदिन की बधाई दी।

राजा भैया ने दीं जन्मदिन की शुभकामनाएं

जनसत्ता दल लोकतांत्रिक के राष्ट्रीय अध्यक्ष रघुराज प्रताप सिंह उर्फ राजा भैया ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने अपने संदेश में लिखा कि श्रद्धेय गोरक्षनाथ पीठाधीश्वर और उत्तर प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को जन्मदिन की अनंत मंगलकामनाएं। उन्होंने प्रभु श्रीराम से प्रार्थना की कि उनकी कृपा मुख्यमंत्री पर सदैव बनी रहे और वह धर्म एवं समाज सेवा के मार्ग पर निरंतर आगे बढ़ते हुए अपने लक्ष्यों को प्राप्त करें।

केशव प्रसाद मौर्य ने दी बधाई

मुख्यमंत्री के जन्मदिन पर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने भी सोशल मीडिया के माध्यम से शुभकामनाएं प्रेषित कीं। उन्होंने अपने संदेश में लिखा कि उत्तर प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को जन्मदिवस की हार्दिक शुभकामनाएं। उन्होंने मयार्दा पुरुषोत्तम प्रभु श्रीराम से मुख्यमंत्री के उत्तम स्वास्थ्य और दीर्घायु की कामना की।

राजनाथ सिंह ने गिनाईं उपलब्धियां

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने भी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को जन्मदिन की बधाई देते हुए उनके नेतृत्व की सराहना की। उन्होंने कहा कि योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश ने सुशासन, सुरक्षा, विकास और जनकल्याण के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं। राजनाथ सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री के दृढ़ संकल्प और अथक परिश्रम के चलते उत्तर प्रदेश आज तेजी से प्रगति और समृद्धि के मार्ग पर आगे बढ़ रहा है। उन्होंने ईश्वर से मुख्यमंत्री के उत्तम स्वास्थ्य, दीर्घायु और निरंतर जनसेवा की शक्ति प्रदान करने की कामना की।